तिथि-बैशाख, शुक्ल, षष्ठी

सोना - 96,730 | चांदी- 98,000 | शेयर मार्केट- 80,501 | निफ्टी- 24,346

अधिकतम -34 °c
न्यूनतम -26 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-159 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, शनिवार 3 मई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ें : योगी

राजकीय व अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- योगी ने तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने प्राविधिक एवं व्यावसायिक शिक्षा में नवाचारों के समावेश एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विगत आठ वर्षों में तकनीकी शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक ठोस पहलें की गई हैं, जिनके उत्साहवर्धक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए सभी प्राविधिक संस्थान नैक, एनबीए तथा एनआईआरएफ मूल्यांकन में प्रतिभाग करें, मगर आवेदन से पूर्व व्यापक तैयारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य संस्थागत रैंकिंग रूपरेखा के तहत राजकीय एवं अनुदानित पॉलिटेक्निक संस्थानों की रैंकिंग की सराहना करते हुए इसके अंतर्गत निजी संस्थानों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिए, ताकि समस्त संस्थानों में गुणवत्ता की समान मानक सुनिश्चित हो सकें। योगी शुक्रवार को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल तथा व्यावसायिक शिक्षा मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ में वर्ष 2024-25 के लिये कुल 1.64 लाख सीटों पर नामांकन हुआ है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन किया गया है, जिसमें एमओओसी आधारित अध्ययन, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम सम्मिलित किए गए हैं। सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय के 12,739 छात्रों को रोजगार प्राप्त हुआ, जिसमें अधिकतम वार्षिक वेतन 59.91 लाख रुपये रहा। इसी प्रकार, एमएमएमयूटी, गोरखपुर में वर्ष 2023-24 में छात्रों को 52 लाख रुपये वार्षिक वेतन तक के पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों में व्यवहारिक अध्ययन को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक श्रेणी के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। योगी ने निर्देशित किया कि नवस्थापित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बस्ती, गोंडा, मीरजापुर एवं प्रतापगढ़ के भवन निर्माण तथा परिसर विकास से जुड़ी सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं, ताकि अगले शैक्षणिक सत्र से यह कॉलेज अपने निजी परिसरों से संचालित हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत करते समय स्थानीय औद्योगिक आवश्यकताओं एवं संभावनाओं को प्राथमिकता दी जाए। तकनीकी शिक्षा के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 2139 पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हो रहे हैं, जिनमें 147 राजकीय, 18 पीपीपी मोड, 19 अनुदानित एवं 1948 निजी संस्थान (शेष पृष्ठ 7 पर)

राज्य में टैक्स चोरी रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करें

लखनऊ, चसं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर संग्रह में पारदर्शिता, तकनीकी दक्षता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि कर प्रणाली में नवाचारों को अपनाएं और ईमानदार करदाताओं को हरसंभव सुविधा और सम्मान दें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को राज्य कर विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि टैक्स चोरी राष्ट्रीय क्षति है और इसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने विभागीय स्तर पर टैक्स चोरी रोकने के लिए कठोरतम और सुनियोजित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में सीएम को बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभाग ने 1,14,637.54 करोड़ का कर संग्रह किया। वर्तमान वित्तीय (शेष पृष्ठ 7 पर)

थरूर की मौजूदगी कई लोगों की नींद हराम कर देगी : मोदी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर की मौजूदगी में विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि उद्घाटन के मौके पर उनकी (दोनों नेताओं की) मौजूदगी से कई लोगों की 'रातों की नींद उड़ जाएगी'। मोदी ने विजयन को विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन का स्तंभ भी बताया। प्रधानमंत्री ने मंच पर मौजूद विजयन और थरूर से कहा कि उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी कई लोगों की रातों की नींद हराम कर देगी। उनके भाषण का अनुवाद करने वाले व्यक्ति ने इसका ठीक से अनुवाद नहीं किया, जिस पर प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि संदेश उन तक पहुंच गया है, जिन तक यह संदेश पहुंचाना था। देश में विकास का ब्योरा देते हुए मोदी ने कहा कि जहाजों में यात्रा करने वाले लोगों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष तीन देशों में शामिल है और पिछले 10 वर्षों में हमारे बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है।

आंध्र प्रदेश की रैली में पीएम मोदी ने की चंद्रबाबू नायडू की तारीफ, सुनाया किस्सा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरावती की आधारशिला कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए इसे आंध्र प्रदेश की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया और कहा कि यह एक सपना है जो अब हकीकत बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमरावती सिर्फ एक शहर नहीं है, बल्कि यह एक 'शक्ति' है, एक ऐसी ताकत जो आंध्र प्रदेश को आधुनिक बनाने में मदद करेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह शहर AI, ग्रीन एनर्जी और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनेगा और राज्य के युवाओं के सपनों को साकार करेगा। (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

गंगा एक्सप्रेस वे पर उतारे राफेल-जगुआर जैसे लड़ाकू विमान

लखनऊ, चसं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद देश के नागरिकों को भारी गुस्सा है। सरकार भी इस हमले के बाद पाकिस्तान की सीमाओं को बंद कर दिया और पाकिस्तान नागरिकों को उनके देश भेजने के लिए निर्देश जारी कर दिया है। इसी बीच उत्तर प्रदेश में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर भारतीय वायुसेना अपनी ताकत दिखाते हुए युद्ध व आपदा जैसी स्थितियों निपटने के लिए ट्रायल किया है। यह प्रदेश का चौथा एक्सप्रेस वे है, जहां एयरस्ट्रिप का निर्माण किया गया है। साथ ही, यह देश की पहली ऐसी पट्टी होगी, जहां वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन-रात लैंडिंग,टेकऑफ कर सकेंगे। आप को बता दें कि यह एयरशो शाहजहांपुर में 3.5 किलो मि0 लम्बे रनवे पर किया गया। इसमें राफेल से लेकर जगुआर और मिराज जैसे लड़ाकू विमान शामिल किए गए। रात में शाम सात से रात दस बजे के बीच नाइट लैंडिंग व टेक ऑफकराया जाएगा। इनमें राफेल, जगुआर, मिराज जैसे विमान शामिल रहेंगे। आयोजन में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, वायुसेना व सेना के अधिकारी, पांच सौ स्कूली बच्चे भी मौजूद रहे हैं।

अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया व राहुल गांधी को नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के समय सोनिया गांधी और राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने का अधिकार है। न्यायाधीश ने कहा, किसी भी स्तर पर पक्ष रखने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई की जान है। उन्होंने मामले की अगली सुनवाई आठ मई के लिए तय की। हाल में आरोपपत्र दाखिल करने वाले प्रवर्तन (शेष पृष्ठ 7 पर)

मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां ही लिखें

- सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को दिया आदेश

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत दी है। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने डॉक्टरों के अपील की है वो मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां ही लिखें।

उच्चतम न्यायालय से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने यह आदेश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा-डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने भी इस संबंध में कार्यकारी आदेश जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां ही लिखी होंगी। डॉक्टर मरीजों को किसी विशेष कंपनी की दवाएं नहीं लिख सकते हैं। इस फैसले से चिकित्सा क्षेत्र में भी सुधार की उम्मीद की जा रही है।

कर्मचारी के पास नहीं प्रमोशन का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक कर्मचारी के पास पदोन्नति का अधिकार नहीं होता है, लेकिन जब तक वह अयोग्य घोषित नहीं किया जाता पदोन्नति के लिए उस पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस सुधांशू धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ तमिलनाडु के एक सिपाही की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जो सब-इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति के लिए उसके नाम पर विचार न किए जाने से नाराज था। पीठ ने कहा कि यह आम बात है कि कर्मचारी के पास पदोन्नति का अधिकार नहीं है, लेकिन जब पदोन्नति के लिए चयन किया जा रहा हो और उसे अयोग्य न घोषित किया गया हो, तब उसके पास विचार के लिए नाम भेजे जाने का अधिकार है। उपरोक्त मामले में इस अधिकार का उल्लंघन अन्यायपूर्ण ढंग से किया गया। अदालत ने देखा कि उसके खिलाफ एक मामले में विभागीय और आपराधिक कार्रवाई की गई थी। उसे गिरफ्तार करने के बाद बरी कर दिया गया और 2009 में सरकार ने उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही के दंड को खत्म कर दिया। पीठ ने कहा कि 2019 में उसे विचारयोग्य सूची से अलग नहीं रखना चाहिए। उसकी पदोन्नति के लिए विचार किया जाना चाहिए, भले ही उसकी आयु ज्यादा होने के चलते उसे अयोग्य घोषित न किया जाए। अगर वह पात्र पाया गया तो 2019 से पदोन्नत किया जाए और इससे जुड़े सभी लाभ दिए जाएं क्योंकि उसके प्राधिकारी द्वारा उस सजा के आधार पर पदोन्नति पर विचार से इनकार कर दिया गया, जो पहले ही खारिज हो चुकी है। ऐसे में उसकी गलती नहीं है। अपीलकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अक्टूबर 2023 के मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

100 विशेष न्यायालयों के बावजूद पीएमएलए मामलों की सुनवाई धीमी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के मामलों की सुनवाई के लिए 100 विशेष न्यायालय हैं, इसके बावजूद इस विशेष कानूनी प्रविधान के मामलों के अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने में विलंब हो रहा है। यह बात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ताजा रिपोर्ट में कही गई है। आर्थिक अपराधों की जांच करने वाले ईडी पर विपक्षी दल अक्सर भेदभावपूर्ण कार्रवाई करने के आरोप लगाते हैं। कहा यह भी जाता है कि एजेंसी के मामलों में आरोपितों के दोषी साबित होने का प्रतिशत बहुत कम है। लेकिन एजेंसी ने इन दावों का मजबूती के साथ खंडन किया है। ईडी के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि एजेंसी ने जिन मामलों में कार्रवाई कर मुकदमे दर्ज किए हैं उनमें दोष सिद्ध होने का प्रतिशत 93 प्रतिशत से ज्यादा का है। एजेंसी ने पीएमएलए के मामलों की सुनवाई में आने वाली चुनौतियों के विषय में अलग से रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हीं चुनौतियों के चलते ही न्यायालय में मामलों को अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचाने में देरी होती है। ईडी की रिपोर्ट में बताया गया है कि 2005 में स्थापना काल से अभी तक एजेंसी ने कुल 7,771 मामलों (शेष पृष्ठ 7 पर)

पीएम मोदी का सपना हो रहा पूरा : अमित शाह

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। देश में ड्रग तस्करों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले कुछ सालों में पंजाब, गुजरात सहित कई देशों में कई ड्रग तस्करों पर कार्रवाई की गई है। सिर्फ इस साल करीब 604 ड्रग्स स्मगलर को गिरफ्तार किया गया।

इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स हैंडल पर ड्रग्स तस्करों पर हो रही कार्रवाई को लेकर एक पोस्ट लिखा। गृह मंत्री ने लिखा, भारत निर्मम आक्रामकता के साथ ड्रग कार्टेल को खत्म कर रहा है। NCB की अमृतसर जोनल यूनिट ने 4 राज्यों में 4 महीने तक चले ऑपरेशन के दौरान ड्रग डायवर्जन कार्टेल को खत्म किया, 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की और 15 लोगों को गिरफ्तार किया। यह पीएम मोदी के सपने के तहत नशा मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। कुछ दिनों पहले ही अमृतसर शहर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने अटारी के बलवीर सिंह नामक एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर 3 किलो हेरोइन जब्त की। वहीं, मणिपुर में सुरक्षा बलों ने विभिन्न संगठनों के छह उग्रवादियों, दो वांछित अपराधियों और चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और विभिन्न प्रकार की ड्रग्स जब्त की गई है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा में चूक के मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। सेवानिवृत्त जस्टिस एचएस भल्ला के नेतृत्व में गठित कमेटी में अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंद्र कुमार और एडीजीपी कानून व्यवस्था संजय कुमार को सदस्य बनाया गया है। जांच कमेटी 31 मार्च को हिसार के अग्रोहा में हुए घटनाक्रम के कारणों की जांच करते हुए इसके लिए जिम्मेदारी तय करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 31 मार्च को हिसार के दौरे पर थे। हिसार के अग्रोहा स्थित मेडिकल कॉलेज में महाराजा अग्रसेन की मूर्ति के अनावरण के दौरान पुलिस अधिकारियों में तालमेल के अभाव में गृह मंत्री की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया था।

58 जिलों में बिजली गिरने की चेतावनी

लखनऊ, चसं। मौसम विभाग ने 4 से 6 मई तक मौसम में बदलाव रहने के आसार जताए हैं। शनिवार को तराई, पश्चिमी और बुंदेलखंड के 33 जिलों में 60 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, 58 जिलों में गरज चमक संग बूंदाबांदी और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान कहीं-कहीं ओले गिरने के भी आसार हैं। ब्रज में शुक्रवार को बारिश, आंधी और बिजली गिरने से चार की मौत हो गई। 4 लोग झुलस गए। एटा में बिजली गिरने से दीक्षा (16) की मौत हो गई। फिरोजाबाद में मनरेगा के तहत खुदाई कर रहे विष्णु (35), सत्येंद्र सैलानी (36) की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। देवेंद्र (32) गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं, एका के पवरई गांव निवासी जयदयाल (47) की बिजली गिरने से मौत हो गई। कासगंज, मथुरा, आगरा, गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। अलीगढ़ के गंगीरी में बिजली गिरने से दो लोग झुलस गए। आंधी से नगला जाट में मकान की छत गिर गई। प्रदेश में शुक्रवार को पश्चिमी जिलों और तराई के इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। दिल्ली से सटे इलाके ज्यादा प्रभावित रहे। कहीं पेड़ गिरे तो कहीं कच्चे मकान ढह (शेष पृष्ठ 7 पर)

मुख्यमंत्री से पूर्व क्रिकेटर कपिल देव ने की मुलाकात

लखनऊ, चसं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और खिलाड़ी कपिल देव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इसकी जानकारी सीएम योगी ने अपने एक्स एकाउंट पर कपिल देव के साथ एक फोटो शेयर (शेष पृष्ठ 7 पर)

उत्तर प्रदेश सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया

योगी सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय को देगी राशन कार्ड

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और सामाजिक सरोकार निभाते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है।

सरकार अब विशेष अभियान चलाकर ट्रांसजेंडर नागरिकों को राशन कार्ड मुहैया कराएगी। इसके तहत उन्हें पात्र गृहस्थी राशन कार्ड जारी कर खाद्यान्न की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। खाद्य एवं रसद विभाग के निर्देश के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में विशेष अभियान चलाकर ऐसे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं। यह कदम समाज के इस उपेक्षित वर्ग को न केवल भोजन की सुरक्षा देगा, बल्कि उन्हें शासन की मुख्यधारा से भी जोड़ेगा। उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड ने शासन को अवगत कराया है कि राज्य में बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर नागरिक आज भी आजीविका के स्थायी साधनों से वंचित हैं। सामाजिक असमानताओं के चलते न तो उनके पास स्थायी रोजगार है और न ही राशन कार्ड जैसी बुनियादी सरकारी सुविधा। इससे वे खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच और समावेशी विकास की नीति के तहत इस गंभीर समस्या को संज्ञान में लेते हुए अब इन वंचित नागरिकों के लिए राशन कार्ड बनाए जाएंगे और उन्हें नियमित खाद्यान्न की आपूर्ति दी जाएगी। खाद्य एवं रसद विभाग ने समस्त जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में ट्रांसजेंडर समुदाय के सभी पात्र व्यक्तियों को चिह्नित कर तत्काल प्रभाव से राशन कार्ड जारी करें। राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित न रहना पड़े।

इस अभियान के अंतर्गत पात्रता की पुष्टि के उपरांत संबंधित व्यक्तियों को पात्र गृहस्थी श्रेणी में सम्मिलित कर उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभान्वित किया जाएगा। योगी सरकार का यह कदम उनके उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत सबका साथ, सबका विकास की भावना को व्यवहार में उतारा जा रहा है। ट्रांसजेंडर समुदाय, जो अक्सर समाज की उपेक्षा का शिकार होता आया है, अब समान अधिकारों और सुविधाओं का लाभ पाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी अक्सर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश का कोई भी नागरिक चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा। राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को वृद्धाश्रम की सुविधा देने का फैसला किया गया है, जिससे उन्हें न केवल आश्रय (शेष पृष्ठ 7 पर)

कर्मचारियों की छटनी से आखिर कैसे होगी निर्बाध बिजली आपूर्ति

चर्चित राजनीति। अमित चौधरी

बछरावां, रायबरेली। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के द्वारा सब स्टेशनों के परिचालन और एचटी लाइन व एलटी लाइनों के मेंटेनेंस कार्यो के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियोजित किए जाने वाले कुशल और अकुशल संविदा कर्मियों की छटनी का आदेश से विद्युत उपकेंद्रों पर तैनात आधे से अधिक संविदा विद्युत कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। ऐसे में जहां एक और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के दावे पर पलीता लगना तय है। निगम के इस अन्याय पूर्ण आदेश के विरुद्ध बछरावां विधुत उपकेंद्र पर काम कर रहे संविदा कर्मियों में भारी आक्रोश है एक स्वर में सभी संविदा कर्मियों ने कार्य बहिष्कार की घोषणा की और इस बाबत क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुंदर भारती व एसडीओ अजय कुमार कुशवाहा को ज्ञापन दिया है।

सनद हो बछरावां विद्युत केंद्र पर चार व बिशनपुर विद्युत केंद्र पर 6 फील्डर हैं। प्रत्येक फीडर पर 20 से 25 किलोमीटर लंबी विद्युत लाइने है। सभी लीडरों पर विद्युत लाइनों के मेंटेनेंस व विद्युत फाल्ट ठीक करने के लिए प्रत्येक फीडर पर 5 से 6 विद्युत कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान में बछरावां विद्युत केंद्र पर 23 व बिशनपुर विद्युत केंद्र पर 22

- **विद्युत कटौती से जनता त्रस्त, संविदा कर्मियों की छटनी से विद्युत आपूर्ति होगी बदहाल : श्याम सुंदर भारती**

आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मचारी काम कर रहे हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के द्वारा आउटसोर्सिंग से विद्युत कर्मियों को नियुक्त करने की फर्म मेसर्स वर्ल्ड क्लास सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड दोनों जगह से मिलाकर 19 कर्मचारियों को निकाले जाने का अल्टिमेटम दे दिया गया है। जिसको लेकर संविदा कर्मियों के अंदर भारी आक्रोश है संविदा कर्मी फूलचंद, विजय कुमार, रोहित कुमार वर्मा, संतोष कुमार, संदीप, विकास पटेल, रितेश पांडे, अमित कुमार सहित सभी संविदा कर्मियों ने शुक्रवार को विद्युत उपकेंद्र बछरावां पर धरना प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की संविदा कर्मियों ने क्षेत्रीय सपा विधायक श्याम सुंदर भारती व एसडीओ अजय कुमार कुशवाहा को ज्ञापन देकर कार्य बहिष्कार की घोषणा की।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्याम सुंदर भारती ने कहा कि संविदा कर्मचारियों की छटनी अन्यायपूर्ण है एक तो वैसे ही विद्युत विभाग कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है दूसरा संविदा कर्मियों को हटाकर आखिर निर्बाध विद्युत आपूर्ति कैसे संभव होगी। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में उच्च अधिकारियों से बात करेंगे व सदन में यह बात उठाएंगे। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को यह अन्याय पूर्ण फैसला वापस लेना चाहिए नहीं तो प्रदेश के हजारों संविदा कर्मियों के सामने भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। कर्मचारियों की छटनी व कार्य बहिष्कार को लेकर एसडीओ अजय कुमार कुशवाहा ने कहा कि संविदा कर्मियों की छटनी से निर्बाध विद्युत आपूर्ति पर असर पड़ेगा बछरावां और बिशुनपुर विद्युत केंद्र पर बहुत अधिक लोड है पहले से ही कर्मचारियों की कमी है लाइन मेंटेनेंस विद्युत फॉल्ट ठीक करने में परेशानी होगी।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय शिवगढ़ में हुआ वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **छात्र और छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुपम प्रस्तुति देकर मोहा मन**
- **शिक्षा के साथ जरूरी है छात्र, छात्राओं का चौमुखी विकास : सचिन यादव**

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय शिवगढ़ में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ महराजगंज उप जिलाधिकारी सचिन यादव द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया।

तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने नृत्य पर आधारित सरस्वती वन्दना की अनुपम प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। वार्षिकोत्सव में बाल वाटिका-3 तथा कक्षा 1,2 के छात्र-छात्राओं ने आहा टमाटर ब? मजेदर आदि गानो पर सामूहिक नृत्य की अनुपम प्रस्तुत देकर खूब तालियां बटोरी। वहीं अन्य कक्षाओं की छात्राओं ने पंजाबी नृत्य भांगड़ा, मेघालय की संस्कृति पर आधारित सामूहिक नृत्य, राजस्थानी सामूहिक नृत्य, गुजराती नृत्य गरबा, दक्षिण भारत के लोक नृत्य आदि लोक नृत्यों की ग्रुप डांस के माध्यम से अनुपम प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। वहीं कक्षा 6 के छात्र-छात्राओं हिंदी लघु नाटिका बेटी ही वरदान की प्रस्तुति देकर अभिभावकों को बालिका शिक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से छात्र-छात्राओं का जमकर उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उप जिलाधिकारी सचिन यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने छात्र व छात्राओं एवं विभिन्न प्रकार की क्रिएटिव एक्टिविटी में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं तथा पीएम श्री एवं विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार ने उप जिलाधिकारी सचिन यादव को प्रतीक चिन्ह के रुप में भगवान की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। वहीं एसडीएम ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का उत्साह उत्सवर्धन करते हुए कहा कि देश में केंद्रीय विद्यालय तथा जवाहर नवोदय विद्यालय इनका अपना एक ब्रांड है। जिसको बनाकर रखना शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि इस पहचान को बरकरार रखने के लिए जिम्मेदारियों के साथ इसी तरह आगे बढ़ते रहना है। उन्होंने कहा कि आज वार्षिकोत्सव के माध्यम से छात्र-छात्राओं में विभिन्न प्रकार की प्रतिभाएं देखने को मिली हैं जिसके लिए छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की जितनी तारीफ की जाए कम है,सभी बधाई के पात्र हैं। सफल मंच संचालन अवधेश बाजपेई द्वारा किया गया।

इस मौके पर डा.कामिल,नन्द किशोर तिवारी, शिक्षक सदानंद यादव, जय नारायण यादव, कमलाकांत, महेश शुक्ला, पुष्पा तिवारी, अनुराधा तिवारी, सुशील शुक्ला, अंजनी कुमार मिश्रा, रितु कपाड़िया, शिवम भारती, निकिता सिंह, आकाश, अवधेश बाजपेई, आंसू मल्होत्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

महिला से टप्स लूटने वाले गिरफ्तार

लखनऊ, चसं। लखनऊ की गोसाईगंज और डीसीपी साउथ जोन की सर्विलांस टीम ने महिला से टप्स लूटने के मामले में दो युवक संग एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से लूट के सोने की एक टप्स और घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। डीसीपी साउथ ने आरोपियों को पकड़ने वाली टीम को पच्चीस हजार रुपए नकद इनाम देने की घोषणा करी हैं। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने एडीसीपी अमित कुमावत और एसीपी ऋषभ रुणवाल की मौजूदगी में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि गोसाईगंज थाना क्षेत्र में बीती 27 अप्रैल आदित्य कुमार रावत अपनी माता के साथ गोसाईगंज से तेलीबाग स्थित अपने घर लौट रहे थे। सुल्तानपुर रोड पर कबीरपुर के पास अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों ने उनकी मां के कान से टप्स झपट लिया और फरार हो गए थे। इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज का सर्विलांस सेल और पुलिस उपायुक्त दक्षिणी की टीमें गठित की गई थीं।

लखनऊ में अब ऑनलाइन होगी रोड कटिंग की मंजूरी

लखनऊ, चसं। शहरी क्षेत्रों में बिना समन्वय के की जा रही सड़क कटिंग और इससे होने वाले यातायात अवरोधों को रोकने के लिए लखनऊ प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। अब रोड कटिंग के लिए विभागों को ऑनलाइन परमिशन लेनी होगी। इसके लिए विकसित किए गए ऑनलाइन रोड कटिंग परमिशन सिस्टम पोर्टल का फाइनल ड्राई रन शुक्रवार को जिलाधिकारी विशाख जी. के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। यह पोर्टल आगामी 7 मई को गो लाइव कर दिया जाएगा, जिसके बाद बिना पोर्टल के अनुमति कोई भी विभाग या संस्था सड़क कटिंग नहीं कर सकेगी। बैठक में नगर निगम, जलकल, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, एनएचएआई और सेतु निगम सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लेसा को भी पोर्टल में जोड़ते हुए चारों जोनों के लिए नोडल अधिशासी अभियंता नामित किए जाएं, ताकि भूमिगत केबिल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अभिलेखागार के स्थापना दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ के 76 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 1857 का स्वतंत्रता संग्राम विषयक अभिलेख प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 2 मई, 2025 को किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट वक्ता प्रो. अविनाश चन्द्र मिश्रा, अधिष्ठाताध्विभागाध्यक्ष, कला संकाय एवं इतिहास विभाग, शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय एवं प्रो. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन द्वारा पूर्वान्ह 11:00 बजे कार्यक्रम शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर आयोजित '1857 का स्वतंत्रता संग्राम' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी आम जनमानस के लिए 10 मई, 2025 तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण नाना साहब की गिरफ्तारी का इश्तिहार, रानी लक्ष्मी बाई का मृत्यु संबंधी टेलीग्राम तथा उनकी सम्पत्ति को जब्त करने संबंधी आदेश, युद्ध क्षेत्र में बेगम हजरत, अवध में स्वतंत्र सरकार, रेजीडेन्सी में घिरे अंग्रेज, मौलवी अहमद उल्ला शाह का टेलीग्राम तथा सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित दुर्लभ चित्र है। मुख्य अतिथि प्रो0 अविनाश चन्द्र मिश्रा ने कहा कि इतिहास एक संवाद की सतत् प्रक्रिया है किसी इतिहासकार ने इसे सिपाही विद्रोह के रूप में किसी ने इसे किसान आन्दोलन के रूप में परिभाषित किया और कहा कि हम एक प्राचीन संस्कृति के वाहक है, मनुष्य को उसके सांस्कृतिक परिवेश के बिना नहीं समझा जा सकता। 1857 का आन्दोलन किसी बंदूक की चर्बी से नहीं उत्पन्न हुआ बल्कि यह आन्दोलन राष्ट्रीयता का पुनरोद्भव था। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो0 प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने अवगत कराया कि अभिलेखागार में इतिहास के जीवंत दस्तावेज संरक्षित हैं, युवा शोधार्थियों को इनका अध्ययन कर उन दस्तावेजों में अंकित विषयों के मर्म को समाज के सामने लाना चाहिए। प्रो0 अर्चना तिवारी, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में गिरमिटिया मजदूरों का गन्ना उत्पादन के लिए कैरेबियन देशों में अंग्रेजो द्वारा किये गये विस्थापन के सम्बन्ध में विचार व्यक्त किये और 1857 की क्रान्ति के क्षेत्रों से विशेष रूप से गिरमिटिया मजदूरों के विस्थापन पर प्रकाश डाला। डॉ0 सुशील कुमार पाण्डेय, सह प्राध्यापक, इतिहास विभाग, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने वक्तव्य कहा कि इतिहास अतीत की वस्तु है एवं वर्तमान की समस्याओं को सुलझाने का सबसे अच्छा माध्यम है, इसलिए राष्ट्रीय मूल्यों के सापेक्ष इतिहास का पुनर्लेखन किया जाना चाहिए। डॉ0 सौरभ कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, ऐशियन कल्चर विभाग, शशिभूषण बालिया विद्यालय डिग्री कॉलेज, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में बताया कि 1857 की क्रान्ति कामगार एवं श्रमिक वर्ग के उत्पीड़न का प्रतिफल था। डॉ0 शशि कान्त यादव, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, डी0ए0वी0 पी0जी0 कालेज, वाराणसी ने अपने उद्बोधन में इस बात पर बल दिया कि शोधकार्य बिना किसी पूर्वाग्रह से किया जाना चाहिए। डॉ0 पूनम चौधरी, सहायक प्राध्यापक ने 1857 के आन्दोलन में गुमनाम लोंगो के योगदान पर शोध किये जाने पर बल दिया। डॉ0 मनीषा, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने उद्बोधन में अंग्रेजो द्वारा कुप्रशासन के आरोप में अवध के अधिग्रहण पर विचार व्यक्त किया और यह स्पष्ट करने का प्रयास किया कि इसी कारण से अवध क्षेत्र में 1857 का स्वतंत्रता संग्राम इतना व्यापक रूप धारण कर सका। डॉ0 सनोवर हैदर ने अपने उद्बोधन में कहा कि 1857 के आन्दोलन का प्रारम्भ लखनऊ से हुआ इस पर भी शोध किया जाना चाहिए। उक्त के अतिरिक्त संगोष्ठी में 45 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अमित कुमार अग्निहोत्री, निदेशक एवं धन्यवान ज्ञापन विजय कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक संरक्षण, उत्तर प्रदेश राजकी अभिलेखागार द्वारा किया गया।

ग्रांट थॉर्नटन कंपनी की आयोग में नही गली दाल, भ्रष्टाचारियों को फंसना तय

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। 42 जनपदों के निजीकरण का मसौदा तैयार करने वाली कंसल्टेंट कंपनी ग्रांट थ्रोनटन की मीटिंग को विद्युत नियामक आयोग द्वारा कैंसिल किए जाने के बाद आज दिन भर पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन विद्युत नियामक आयोग से उसकी मीटिंग कराने की जुगाड़ में लग रहा। लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। अब पावर कॉरपोरेशन कोई आर्डर सताने लगा है कि ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था ने जब कंसल्टेंट से मीटिंग करने से मना कर दिया तो अब उसके ऑर्डर की वैधानिकता स्वता खतरे में पड़ गया है अब उससे कोई भी रिपोर्ट कैसे ली जाए। हद तो तब हो गई विद्युत नियामक आयोग द्वारा मीटिंग कैंसिल किए जाने के बावजूद भी कंसलटेंट कंपनी अपनी पूरी टीम के साथ विद्युत नियामक आयोग पहुंच गया।

जो अपने आप में सबसे बड़ी अनुशासनहीनता है। अंततः आयोग के अधिकारियों के कड़े रूख के बाद कंसलटेंट कंपनी वहां से रुखसत हुई। विद्युत नियामक आज के गार्ड्स ने जब सख्त रूप अख्तियार किया तब उनके पसीने छूटे। सभी नीचे से ही वापस लौट गए। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज शक्ति भवन में टेंडर मूल्यांकन कमेटी के अध्यक्ष निदेशक वित्त श्री निधि कुमार नारंग से मुलाकात की और कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण का यह सबसे पहला भ्रष्टाचार का मामला है जिसकी पत्रावली 20 दिन के अंदर चार बार ऊपर से नीचे चलाई गई। कंसल्टेंट कंपनी के जवाब प्राप्त होने के बाद यह सिद्ध हो गया कि कंसलटेंट कंपनी ने झूठा शपथ पत्र दाखिल किया उसने अमेरिका रेगुलेटर द्वारा लगाई गई पेनल्टी को छुपा कर टेंडर लिया। भ्रष्टाचार सिद्ध हो जाने के बाद भी आज तक असंवैधानिक रूप से कम कर रही ग्रांट थॉर्नटन कंपनी पर कार्रवाई नहीं की गई। जो बहुत गंभीर मामला है।

उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने निदेशक वित्त से कहा कि आप 5 मई को अपना निदेशक वित्त का कार्य भार छोड़ देंगे। क्योंकि नए निदेशक वित्त आने वाला है। ऐसे में इस भ्रष्टाचार की पत्रावली को क्यों ऊपर नीचे कर रहे हैं जनहित और उपभोक्ता हित में इस भ्रष्टाचार पर निदेशक वित्त की कुर्सी पर रहते हुए कार्यवाही कराए। निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग ने उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष को फिर एक बार बताया की पत्रावली पर विस्तृत रिपोर्ट पुनः मांगी गई है। जल्द ही पूरे मामले को उच्च स्तर पर कार्यवाही के लिए भेजा जाएगा

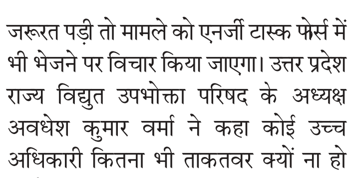

जरूरत पड़ी तो मामले को एनर्जी टास्क फोर्स में भी भेजने पर विचार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कोई उच्च अधिकारी कितना भी ताकतवर क्यों ना हो उसके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार का साक्ष्य जब पत्रावली में दर्ज हो जाता है। उसे लटकाया जा सकता है लेकिन अंतत भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारी को एक दिन फसना तय है। उपभोक्ता परिषद इस गंभीर मामले पर चुप बैठने वाला नहीं है। दुर्भाग्य की बात यह है कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री जो विधानसभा में पारदर्शिता की बात करते हैं वह इस भ्रष्टाचार पर चुप्पी सादे हुए हैं।

हर महीने ईंधन अधिभार शुल्क के मद में होगा बदलाव : उत्तर प्रदेश के लगभग 57000 विद्युत उपभोक्ताओं जिनके घरों पर सोलर पैनल लगा हुआ है। वित्तीय वर्ष के अंत में उनके विद्युत संबंधी खपत का समायोजन विद्युत बिलों में न किए जाने पर उपभोक्ता परिषद की याचिका पर विद्युत नियामक आयोग द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में वर्तमान 1 मई 2025 से सभी सोलर पैनल विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत बिलों में समायोजन लागू कर दिया गया है। सभी विद्युत उपभोक्ता अपने बिलों का मिलान कर ले वित्तीय वर्ष के अंत में जो भी अतिरिक्त यूनिट बच रही है। उसका भुगतान रुपया 2 प्रति यूनिट के हिसाब से विद्युत बिलों में किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश राज विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज शक्ति भवन में निदेशक वित्त निधि कुमार नारंग से मुलाकात की उनके द्वारा बिलिंग सॉफ्टवेयर में किए गए बदलाव से अवगत कराया गया।उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के अपने तीन करोड़ 45 लाख विद्युत उपभोक्ताओं से यह भी अपील की है कि ईंधन अधिभार शुल्क के रूप में फरवरी 2025 के मद में 1 मई 2025 के विद्युत बिलों में 2 प्रतिशत का लाभ सभी उपभोक्ताओं को प्राप्त हो रहा है वह जब भी अपना विद्युत का भुगतान करें तो मई के बिल में उसका मिलान अवश्य कर ले गौरतलब है कि मल्टी ईयर टैरिफरेगुलेशन के तहत हर महीने इधन अधिभार शुल्क के रूप में घटोतरी व बढ़ोतरी विद्युत नियामक आयोग द्वारा बनाए गए नए कानून से लागू की गई थी। उसी के तहत मई महीने में 2प्रतिसत बिजली दर में कमी लागू हुई है जून के महीने में घटोतरी होगी या बढ़ोतरी होगी उसका जल्द ही खुलासा हो जाएगा।

बिजलीकर्मियों का निजीकरण के खिलाफशुरू हुआ सात दिवसीय अनशन : उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफबिजली कर्मचारियों का आक्रोश तेज हो गया है। शुक्रवार को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले शक्ति भवन पर सात दिवसीय क्रमिक अनशन की शुरुआत हुई। 200 से अधिक बिजली कर्मचारी पहले दिन अनशन पर बैठे। कर्मचारियों का कहना है कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण की प्रक्रिया में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। समिति ने निदेशक वित्त निधि नारंग को सलाहकार बनाकर सेवा विस्तार देने को निजीकरण घोटाले का हिस्सा बताया है। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि झूठे शपथ पत्र देने वाले कंसलटेंट को बचाने की कोशिशें अभी भी चल रही हैं।

साथ ही, 2000 से अधिक बिजली कर्मियों का वेतन रोके जाने और संविदा कर्मियों की बड़ी पैमाने पर हो रही छंटनी को तानाशाही करार दिया गया। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि संविदा कर्मियों की छंटनी तुरंत बंद की जाए, सभी हटाए गए कर्मियों को बहाल किया जाए और सभी बिजलीकर्मियों का रुका वेतन तत्काल दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर व्याप्त भ्रष्टाचार को देखकर नाराज हुई स्वास्थ्य सचिव

बछरावां/रायबरेली, चसं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम की मिशन निदेशक और स्वास्थ्य सचिव पिंकी जोयल ने बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया ।इस दौरान उन्हें वहां पर गंदगी अबांर देखने को मिला जिस पर उन्होंने यहां के अधीक्षक अनिल कुमार जैसल को जमकर फटकार लगाई एक कोने पर रखे कबाड़ को उन्होंने कहा कि इसको यहां से हटाइए या तो इसको साफ सफाई कराईए । ऑपरेशन थिएटर की गंदगी और शौचालय को गंदा देखकर उन्होंने कहा कि ऐसी हालत बना रखी है ।इसको सुधारो ।साथ ही बछरावां के पूर्व ब्लाक प्रमुख अजय दउवा एवं वर्तमान ब्लाक प्रमुख अमन सिंह दउवा के पिता ने उनसे यहां के डॉक्टरों की कमी के बारे में कहा जिस पर साथ चल रहे सीएमओ से जब श्रीमती जोयल ने पूछा तो वह सही उत्तर नहीं दे सके। और बातों को गोल मटोल करते हुए कहा कि सर साइन होना बाकी रह गया यहां पर डॉक्टरों की कमी को पूरा कर दिया जाएगा ।इसके बाद उन्होंने प्रसुताओ से मिलकर भोजन के बारे में पूछा और बच्चों के टीकाकरण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की ।कुछ महिलाओं के पास टीकाकरण के कार्ड न होने के कारण उन्होंने कहा कि आखिर बच्चों के टीकाकरण के कार्ड कहां गए हैं। उन्होंने अस्पताल के मुख्य गेट से अधीक्षक कच्छ तक टीन सेड लगवाए जाने की भी बात कही। बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद पर व्याप्त अवस्था व डॉक्टरों द्वारा कमिशन के कारण बाहर की दवा लिखे जाने की शिकायत पर वह काफी नाराज दिखी। मरीजों की शिकायत थी कि यहां के डॉक्टरों ने जन औषधि में दवाएं रखवा कर लिख रहे हैं। इस पर उन्होंने सीएमओ से कहा कि इसको तत्काल बंद कराया जाय। इस दौरान चिकित्सकों के आवास परिसर का भी निरीक्षण किया आवास पर ना ठहरने वाले डॉक्टर को फटकार भी लगाई।

गूढ़ा में जगन्नाथ स्वामी का विशाल भण्डारा सम्पन्न

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। शिवगढ़ क्षेत्र के मिनी सचिवालय गूढ़ा तथा बडौदा यूपी बैंक गूढ़ा के बगल में स्थित गीता धर्मार्थ चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार को श्री जगन्नाथ स्वामी का विशाल भण्डारा आयोजित किया जिसमें पूण्य की लालसा से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने बड़ी ही सिद्दत के साथ प्रसाद ग्रहण कर मनोकामनाएं मांगी। भण्डारे का आयोजन गीता धर्मार्थ चिकित्सालय के संरक्षक डॉ. बलदेव वर्मा व उनकी धर्मपत्नी द्रौपदी वर्मा द्वारा मानव कल्याण के उद्देश्य से किया गया। दोपहर 1 बजे से शुरू हुआ भण्डारा जो देर रात तक चला। इस मौके पर अखिलेश पटेल, संदीप वर्मा, शिव शंकर वर्मा, हरिशंकर वर्मा, आरएस वर्मा लेबर कमिश्नर यूपी, डा.एके कटियार, भागवत पटेल सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों ने कॉमन इन्क्यूबेशन सेन्टर आन्ध्रप्रदेश का किया भ्रमण

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत स्थापित कामन इनक्यूबेशन सेंटरों को सुव्यवस्थित व सुचारू रूप से संचालन के उद्देश्य से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों ने आईआईटी तिरूपति आन्ध्रप्रदेश में स्थापित कॉमन इन्क्यूबेशन सेन्टर का भ्रमण,अध्ययन वहां के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों के साथ पिछले दिनों किया।निरीक्षणकर्ता अधिकारियों की टीम में उत्तर प्रदेश से डॉ विजय बहादुर द्विवेदी, निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग डॉ एसके चौहान उप निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग अश्वनी कुमार खाद्य प्रसंस्करण अधिकारी निदेशालय लखनऊ मौजूद रहे। उनके साथ तिरूपति आन्ध्र प्रदेश के प्रतिनिधियों सुनील वैज्ञानिक आईआईटी तिरूपति मल्लिकार्जुन जेटीएस आईआईटी तिरूपति विवेक गुप्ता पीएचडी रिसर्च स्कालर डिपार्टमेण्ट ऑफकेमिकल इन्जीनियरिंग आईआईटी तिरूपति एस राजेन्द्र नाथ रेड्डी ओएण्ड एम ऑपरेटर, रेनुका बायो फार्म्स एलएलपी तिरूपति व सुब्रह्मण्यम प्लान्ट इंजीनियर सीआईसी आईआईटी तिरूपति मौजूद रहे। निरीक्षण अध्ययन के दौरान टीम ने प्रोसेसिंग लाईन जैसे टमाटर प्रसंस्करणः उत्पाद टमाटर प्यूरी, टोमेटो सॉस, टोमेटो जूस एवं टोमेटो पल्प, आम प्रसंस्करणः उत्पाद आम का जूस, आम का पल्प, आम पापड़ एवं आम का अचार, सिट्रस फ्रूट प्रसंस्करणः अचार, जूस एवं कन्सन्ट्रेट्सन के अलावा इन्क्यूबेशन सेन्टर पर स्थापित मशीनों का विवरण की जानकारी हासिल की गयी।कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर के संचालन की चुनौतियों के बारे में भी जानकारी की गयी। अध्ययन में इस बात पर विशेष रूप से फोकस किया गया कि उत्तर प्रदेश में किस प्रकार से स्वयं सहायता समूहों की दीदियों की आमदनी बढ़ाने के लिए कामन इनक्यूबेशन सेंटरों को बहुउपयोगी बनाया जाय।उसी माडल पर यहां काम करने पर विचार किया जा रहा है। निरीक्षण अध्ययन रिपोर्ट टीम द्वारा अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं रेशम विभाग बीएल मीणा के समक्ष प्रस्तुत कर दी गयी है।

सम्मान के साथ सेवानिवृत्त कार्मिकों की विदाई

लखनऊ, चसं। लखनऊ नगर निगम में अप्रैल 2025 में सेवानिवृत्त हुए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अपर नगर आयुक्त ललित कुमार की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित त्रिलोकनाथ सभागार में सम्पन्न हुआ। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नगर निगम की ओर से पुष्पमाला, अंगवस्त्र, धार्मिक ग्रंथ और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त कार्मिकों में सुनील कुमार शुक्ला, चौकीदार, राम प्रसाद, गैंगमैन, सुन्दरा, अनुचर, क्रांति, मालती, कृष्णा कुमार शामिल थी। इस अवसर पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.के. श्रीवास्तव, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी नंदराम कुरील, मुख्य कर निर्धारण अधिकारीअशोक सिंह सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन पासबुक सौंपी और बताया कि उनकी ग्रेच्युटी और अर्जित अवकाश की धनराशि सीधे उनके खातों में आरटीजीएस के माध्यम से भेज दी गई है। इसके अलावा भविष्य निधि का भुगतान आदेश भी संबंधित कर्मचारियों को सौंपा गया है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन और कर्मचारी प्रतिनिधि शशि कुमार मिश्र, सै. कैसर रजा, आनन्द वर्मा, नरेश बाल्मीकि, सुनील धानुक, अर्जुन यादव और राहुल कनौजिया भी मौजूद रहे।कर्मचारी प्रतिनिधियों ने सेवानिवृत्त लाभों का त्वरित भुगतान और पेंशन पासबुक उसी दिन प्रदान करने की प्रक्रिया की सराहना की और नगर निगम प्रशासन का धन्यवाद किया।

महापौर को देखने पहुंचे नगर विकास मंत्री

लखनऊ, चसं। आज नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री, उत्तर प्रदेश शासन, ए.के. शर्मा का कैंप कार्यालय पर स्नेहपूर्ण आगमन हुआ। वे महापौर सुषमा खर्कवाल जी से भेंट करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने महापौरके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मंत्री श्री शर्मा ने आत्मीयता के साथ हालचाल पूछा और अपने सकारात्मक और शुभ वचनों से ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि महापौर नगर निगम लखनऊ की प्रेरणास्रोत हैं और उनके स्वस्थ रहने से शहर की सेवा और भी मजबूती से आगे बढ़ेगी। मुलाकात के दौरान सौहार्द्रपूर्ण वातावरण देखने को मिला। मंत्री के सादगीपूर्ण स्वभाव और आत्मीय संवाद से उपस्थित जनों में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंत्री के आगमन और शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आत्मीय सहयोग से कार्य के प्रति समर्पण और भी दृढ़ होता है। इस दौरान पार्षद रंजीत सिंह, अजय दीक्षित, अरुण राय, संजय राठौर ,राम नरेश रावत, सौरभ सिंह मोनू, पूर्व पार्षद राम कुमार वर्मा जी, पार्षद प्रतिनिधि सुनील शंखधर, राजकुमार मौर्य, लव कुश रावत, पूर्व प्रदेश संयोजक प्रवीण श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र राय डब्बू उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे कर्मचारियों का सीनियर डीसीएम के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ, चसं। लखनऊ में उत्तर रेलवे के मुख्यालय पर सीनियर डीसीएम के खिलाफनॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन (एनआरएमयू) के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की है। सीनियर डीसीएम मुर्दाबाद, नहीं चलेगी तानाशाही और अफ्सरशाही मुर्दाबाद नारे लगाए गए। कर्मचारियों ने करीब आधे घंटे तक सीनियर डीसीएम के कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने मौके पर कर्मचारी एकता के नारे लगाए हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उत्तर रेलवे में रेलवे के अधिकारी तानाशाही कर रहे हैं। इसके कारण कर्मचारी परेशान हैं। उनका कहना है कि अगर उनकी मांग पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो उत्तर रेलवे के सभी केंद्रों पर प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा। अगर काम प्रभावित होता है तो इसके लिए रेलवे के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। मंडल मंत्री आरके पाण्डेय ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के बारे में जानना होगा व जागरूकता लानी होगी। गलत ढंग से कर्मचारियों के ट्रांसफ्र किए गए हैं। संवेदनशील काम करने वाले कर्मचारियों का 4 साल में ट्रांसफ्र होता है। वाणिज्य और सिग्नल टेलिकॉम विभाग में बहुत से कर्मचारी, जिनका पिछले साल ट्रांसफ्र हुआ था फ्रि से उनका तबादला कर दिया गया है। अधिकारियों ने नियमों का उल्लंघन किया है। दिव्यांग, बीमार और गर्भवती कर्मचारियों की प्राथमिकता को भी नहीं देखा गया है। 80 कर्मचारियों का उत्तर रेलवे लखनऊ से ट्रांसफ्र किया गया है। इन कर्मचारियों से जबरदस्ती स्टेशन भी छुड़वा दिया गया। उनका कहना है अगर कर्मचारियों की बात को नहीं सुना गया तो पूरे उत्तर रेलवे में बड़ा धरना प्रदर्शन यूनियन की तरफसे किया जाएगा।

राष्ट्रवादी पार्टी ने निकाली महा ज्ञापन रैली, स्कूल फीस, छुट्टा पशु और बेरोजगारी समेत 11 मुद्दे उठाए

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रवादी पार्टी ने केंद्रीय कार्यालय से महा ज्ञापन रैली निकाली। इस रैली में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े 11 महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया गया। प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। किसानों की समस्या छुट्टा पशुओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। युवाओं की बेरोजगारी और संविदा कर्मियों को स्थायी नौकरी देने की मांग भी की गई। अध्यापकों की पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश भारत के निर्देश पर यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को संबोधित था। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रदेश प्रमुख महासचिव भारत विकास ने जिलाधिकारी लखनऊ को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में पंकज भारत, आदित्य भारत, मोहन भारत, अभय भारत, सरिता भारत और स्वाती भारत सहित विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें मंडल प्रभारी, प्रदेश सचिव, जिला उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष और मीडिया प्रकोष्ठ की जिला सचिव शामिल थे। रैली में सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक भी उपस्थित थे।

तथाकथित स्वामी के खिलाफमानहानि और महिला की लज्जा भंग का केस दर्ज किया

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ के आशियाना थाने में एक तथाकथित स्वामी के खिलाफमहिला योग शिक्षिका को बदनाम करने का मामला सामने आया है। शिवांश नारायण द्विवेदी ने अपनी संस्था में कार्यरत योग शिक्षिका रिदम कपूर उर्फविजयाश्री की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिवांश आहवान धर्म रक्षार्थ नामक पंजीकृत संस्था चलाते हैं। उनकी संस्था यूट्यूब चौनल के माध्यम से धर्म, अध्यात्म और राष्ट्र से जुड़ी सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा करती है। रिदम कपूर, जो वर्तमान में ऋषिकेश में रहती हैं, इस संस्था में योग शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार, स्वामी निग्रह आचार्य नाम के यूट्यूब चौनल पर तथाकथित आचार्य भागवतानंद गुरु लगातार रिदम कपूर के चरित्र पर बेबुनियाद टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने झूठा प्रचार किया कि विजयाश्री महाकुंभ में पीठाधीश्वर के साथ मंच साझा करती हैं और कई सनातन विरोधी विदेशी संगठनों से जुड़ी हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर रिदम कपूर के बारे में अश्लील टिप्पणियां की हैं। उन्होंने भ्रामक वीडियो और फोटो भी सार्वजनिक किए हैं। इस मामले की जानकारी मिलने पर 24 अप्रैल को रिदम कपूर ने एक पत्र के माध्यम से आरोपी के खिलाफकानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजधानी में बदला मौसम, कई इलाकों में हल्की बारिश

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदल गया। आसमान में हल्के बादल के साथ तेज हवाएं चल रही है। दोपहर में शहर के कई इलाकों में हल्की बारिश भी हुई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन शहर में गरज-चमक के साथ और बारिश हो सकती है। इससे तापमान में और गिरावट की संभावना है। वहीं, शुक्रवार सुबह से 35 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही। सुबह 7 बजे धूप निकली, लेकिन 10 बजते-बजते आसमान में बादल छाने लगे। एक घंटे बाद आसमान में पूरी तरह से बादल छा गए। दोपहर करीब 12 बजे आशियाना, रामाबाई अंबेडकर मैदान, आलमबाग सहित अन्य इलाकों में बारिश हुई। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया।प्रदेश में 25 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चल रही। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि लखनऊ में हवा की रफ्तार 25 से 35 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश शुरू हो गई है। लखनऊ में 6 मई तक बादलों का मिलाजुला असर देखने को मिलेगा। इस दौरान बारिश और बादलों के गरज चमक की संभावना है।

रॉबर्ट वाड्रा के विवादित बयान की याचिका खारिज

लखनऊ, चसं। लखनऊ हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफदायर याचिका खारिज कर दी। यह याचिका हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की अध्यक्षा रंजना अग्निहोत्री की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में पहलगाम की घटना के बाद वाड्रा द्वारा दिए गए कथित विवादास्पद बयान की एसआईटी जांच की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने मामले में सीधे हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वह अन्य कानूनी विकल्पों का सहारा ले सकती हैं।

कम पानी में अधिक उत्पादन वाली फसलों व सिंचाई पद्धति की जरूरत

कृषि मंत्री ने दिया जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान का नया नारा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कृषि महकमे के अफसरों ही नही किसानों ने भी भाग लिया।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्य स्तरीय खरीफउत्पादकता गोष्ठी-2025 में बहैसियत चीफगेस्ट शिरकत किया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बताया। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधानश् का नया नारा दिया। कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक सोच व शोध आधारित नवाचार को बढ़ावा देने का संदेश दिया।उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने कृषि अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, जलवायु अनुकूल फसल प्रणाली और नई किस्मों के विकास के लिए अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया है। इससे बदलते मौसम की चुनौतियों का समाधान किया जाएगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जल संरक्षण तकनीकों पर बल दिया गया है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों व सिंचाई पद्धतियों स्प्रिंकलर, ड्रिप को प्रोत्साहन, भूगर्भ जल का सीमित उपयोग व वर्षाजल संचयन की योजनाएं लागू की जा रही हैं। बताया कि 05 मई को विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कृषि विभाग के अधिकारी किसानों के खेतों से मिट्टी के नमूने एकत्र करेंगे। इससे खेतों की उर्वरता की जांच कर, आवश्यक उर्वरक सिफारिशें दी जाएंगी। इससे लागत में कमी व उत्पादकता में वृद्धि होगी। कई विद्यालयों में कृषि से संबंधित विषयों की पढ़ाई शुरू की गई है। इससे नई पीढ़ी में खेती-किसानी के प्रति जागरूकता व रुचि बढ़ेगी, साथ ही आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी मिलेगी।धान-गेहूं की पारंपरिक फसलों के साथ दलहन चना, अरहर, मसूर तिलहन सरसों, सूरजमुखी, मूंगफली व मोटे अनाज ज्वार, बाजरा, कोदो, सावां की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों की आय में वृद्धि और पोषण सुरक्षा होगी।प्रदेशभर में आयोजित गोष्ठियों, मेलों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, पीएम-कृषि सिंचाई योजना, प्राकृतिक खेती योजना आदि की जानकारी दी जा रही है ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें।सरकार रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशकों के स्थान पर जैविक प्राकृतिक विधियों को अपनाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। गोबर खाद, जीवामृत, हरी खाद व अन्य देशज तकनीकों के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।विकसित भारत के निर्माण में कृषि आत्मनिर्भरता को अहम मानते हुए स्थानीय बीज उत्पादन, घरेलू उपकरण निर्माण, मूल्य संवर्धन व ग्रामीण कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। खरीफ मौसम में विशेष रूप से बरसात प्रभावित जिलों में किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने के लिए पंजीकरण कराए जाने का आह्वान किया गया है ताकि प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई संभव हो सके।प्रदेश के प्रत्येक 2 मंडल पर खरीफ उत्पादकता गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिनमें स्थानीय किसान, कृषि वैज्ञानिक व अधिकारियों को जोड़कर तकनीकी जानकारी व योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। वैज्ञानिक अनुसंधान आधारित उन्नत बीज, समुचित खाद व कीटनाशक प्रबंधन, मृदा परीक्षण व जल प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाने पर बल दिया गया है ताकि उत्पादन व गुणवत्ता में वृद्धि हो सके। प्रदेश भर में फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल, डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रणाली का कार्य किया जा रहा है। वेदर स्टेशन की स्थापना की जाएगी, इससे किसानों को मौसम पूर्वानुमान, फसल स्वास्थ्य, बाजार भाव और सरकारी योजनाओं की डिजिटल जानकारी तत्काल मिल सकेगी।

वोट हमारा राज तुम्हारा, नहीं चलेगा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- जाति जनगणना के फैसले पर बोलीं मायावती

लखनऊ। आगामी जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने के केंद्र के हालिया फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को भाजपा और कांग्रेस पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और दावा किया कि उनका बहुजन विरोधी चरित्र ओबीसी समुदायों को उनके वाजिब अधिकारों से वंचित करता आया है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना भी कराने के निर्णय लिया। भाजपा, कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ मची है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण यह समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित और वंचित है। उन्होंने कहा, वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति अगर पाक-साफहोती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ दिखता। बसपा नेता ने कहा, बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरुक है, तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए लालायित इन पार्टियों के लिए इनकी हितैषी दिखने का स्वार्थ व मजबूरी है। स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। मायावती ने कहा, अतः श्लोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है, जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक होगी।

आयुष को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनएएम कॉन्क्लेव का शुभारंभ हुआ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। कैवल्यधाम, लोनावाला (महाराष्ट्र) में एनएएम कॉन्क्लेव 2025 की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य आयुष के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रांतों द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालना है।

इस कार्यक्रम ने आयुष सेवाओं का पूरे देश में विस्तार करने के लिए भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का एक मंच प्रदान किया। उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्री, डॉ. दयाशंकर मिश्रा ने नेशनल आयुष मिशन जैसी योजनाओं द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सेवा के ढांचे को मजबूत बनाने के केंद्र सरकारी के प्रयासों की सराहना की। मंत्री जी ने कहा, ''उत्तर प्रदेश विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है। इस राज्य ने आयुष के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्तमान में राज्य में 3,959 कार्यशील आयुष हॉस्पिटल हैं, जो 4 बेड, 15 बेड, 25 बेड और 30 बेड की क्षमता के साथ सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।'' आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव में आयुष विशेषज्ञों, नीतिनिर्माताओं, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, शोधकर्ताओं और इनोवेटर्स ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक चिकित्सा को मुख्य चिकित्सा प्रणालियों में शामिल करना है ताकि आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा और ज्यादा आसान, किफायती एवं प्रमाण पर आधारित हो सके।कॉन्क्लेव की शुरुआत करते हुए प्रतापराव जाधव ने कहा, ''मंत्रालय ने 2023 में एक एनएएम कॉन्क्लेव का आयोजन किया था, जिसमें विभिन्न राज्यों और केंद्रीय प्रांतों के माननीय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने एनएएम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। इस वार्ता द्वारा नेशनल आयुष मिशन के क्रियान्वयन और परिणामों में सुधार लाने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई। 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) की स्थापना से स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धता में काफी सुधार आया है तथा लाभार्थियों की संख्या 2021 में 1.5 करोड़ से बढ़कर 2025 में 11.5 करोड़ से अधिक हो गई है। परिणामस्वरूप बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित कार्यबल और मजबूत शैक्षणिक संस्थानों की मदद से आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि नेशनल आयुष मिशन कॉन्क्लेव का यह दूसरा संस्करण राज्यों और केंद्रीय प्रांतों तथा केंद्र सरकार के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म है, जहाँ वो मिलकर इस मिशन की सफलता का आकलन कर सकेंगे, प्रशासन की प्रणाली में सुधार ला सकेंगे और इनोवेशन को बढ़ावा देकर वित्तीय प्रक्रियाओं को व्यवस्थित कर सकेंगे, जिससे जमीनी स्तर पर कार्यक्रम के तेज व प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी। मैं इस अवसर पर राज्य, केंद्रीय प्रांतों एवं केंद्रीय स्तर पर मेहनत से काम कर रही टीमों और कॉन्क्लेव को सफलता की शुभकामनाएं देता हूँ। मैं कैवल्यधाम की प्रतिबद्ध टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

सिंचाई विभाग, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ चुनाव में महासचिव पद पर इंजीनियर गोपी कृष्ण ने दर्ज की एकतरफा जीत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार को राजधानी लखनऊ स्थित रविंद्रालय प्रेक्षागृह में इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश का 55वाँ महाअधिवेशन धूमधाम से संपन्न हुआ। दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान पूरे प्रदेश से आए 2000 से अधिक इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियरों ने संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया। महाधिवेशन में प्रांतीय अध्यक्ष, महासचिव पद के साथ - साथ क्षेत्रीय पदाधिकारियों पद पर भी चुनाव सम्पन्न हुए। संघ चुनाव में प्रांतीय महासचिव चुनाव में पहले चरण से ही लिफ्ट

- सिंचाई विभाग, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर गजेन्द्र तो महासचिव पद पर जीते गोपी कृष्ण
- 2000 से अधिक इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियरों ने संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया

सिंचाई खंड गोरखपुर के अवर अभियंता गोपी कृष्ण ने एक तरफा बढ़त बनाते हुए 442 मतों से निकटतम प्रतिद्वंदी उत्कर्ष शुक्ला पर बड़ी जीत दर्ज की।

वहीं अध्यक्ष पद के प्रत्याशी निवर्तमान अध्यक्ष सज्जा में सहायक अभियंता पद पर कार्यरत गजेन्द्र कुमार ने अवर अभियन्ता सतेंद्र सिंह को हरा कर अपनी सीट बरकरार रखी। नव निर्वाचित महासचिव गोपी कृष्ण ने जीत के उपरांत पिछले कई वर्षों से अवर अभियंताओं द्वारा की जा रही ग्रेड पे 4800 दिलाए जाने हेतु प्रयास करने की बात कही।

प्रबुद्ध संगोष्ठी में नीरज सिंह बोले, हर साल चुनाव से देश की ऊर्जा बंटती है

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- न्यू हैदराबाद में हुई संगोष्ठी

लखनऊ। देशभर में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इसी क्रम में लखनऊ पूर्वी विधानसभा परिवार द्वारा उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, न्यू हैदराबाद में प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी विशिष्ट अतिथि और पूर्वी विधायक ओपी श्रीवास्तव कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह ने कहा कि 1951-52 से 1967 तक भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ और संकीर्ण मानसिकता के चलते इस परंपरा को कांग्रेस द्वारा खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव न होने से न सिर्फ सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है, बल्कि आचार संहिता की वजह से विकास कार्य भी बार-बार बाधित होते हैं। नीरज सिंह ने बताया कि भारत में 97 लाख अर्धसैनिक बल चुनाव प्रक्रिया में लगाए जाते हैं जिससे सीमा सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर असर पड़ता है। वहीं, लगातार प्रचार से स्कूलों की पढ़ाई भी बाधित होती है। उन्होंने कहा कि अगर तीनों स्तरों पर चुनाव एक साथ होंगे तो यह लोकतंत्र की मजबूती, प्रशासनिक दक्षता और आर्थिक मजबूती के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि देशभर से 21,000 से अधिक सुझाव समितियों की राय ली गई, जिनमें 80ः से अधिक लोग एक साथ चुनाव के पक्ष में हैं।

सिंचाई विभाग में आयोजित हुई आदि गुरु शंकराचार्य की जन्म जयंती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। आदि शंकराचार्य के प्राकट्य दिवस के अवसर पर सिंचाई भवन मुख्यालय के विभिन्न कर्मचारी संघों ने भोजन अवकाश के अवसर पर एकत्र होकर सनातन धर्म की ध्वजा पूरी दुनिया में फैलने वाले आदि गुरु शंकराचार्य को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर इंजीनियर शैलेंद्र दुबे तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सचिवालय संघ के वरिष्ठ नेता हरि शरण मिश्रा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए शैलेंद्र दुबे ने बताया कि बारह शताब्दियों के अनंतर आज भी शंकराचार्य का कार्य समाप्त नहीं हुआ है।आज मनुष्य के पास ऐश्वर्य के असीम साधन हैं किंतु दुःख संताप की कोई सीमा नहीं है। काम, क्रोध, लोभ, दंभ, विद्वेष, आदि आसुरी भाव मनुष्य को निरन्तर जर्जर कर रहे हैं। परित्राण कहां है? परित्राण केवल मनुष्य की आत्मा के आविष्कार में है। सभी मनुष्यों के अन्दर एक अविभाज्य चैतन्यसत्ता निरन्तर प्रकाशमान रहती है। इस अप्रत्याखेय के ज्ञान के स्वीकार में, इसकी उपलब्धि में और इसके प्रचार में आदि शंकराचार्य का बत्तीस वर्ष का अलौकिक जीवन इस अबाधित सत्य का मूर्त प्रकाश है। आदि शंकराचार्य के जीवन का आज हमें नए रूप में स्मरण करना होगा और जीवन के अनेक द्वंद्वों को आत्मविज्ञान में समन्वित करने की प्रेरणा तथा उसका उपाय आचार्य शंकर के जीवन और उनकी वाणी से ग्रहण करना होगा।

भारतीय दर्शन को अद्वैत वेदांत जैसा आध्यात्मिक और नैतिक सिद्धांत देने वाले आदि गुरु शंकराचार्य ने पूरी दुनिया को भारतीय दर्शन का जहां एक तरफ लोहा बनवाया वही अद्वैत वेदांत की अवैध दृष्टि अनेकता में एकता की शिक्षा आज की भारतीय संस्कृति के साथ तत्व को बनाए रखना की साक्षमता और उपयोगिता हम सबको सिखाई। आज की हमारी समस्याओं का समाधान अद्वैत प्रदत्त आध्यात्मिक एवं नैतिक ढांचे में ही संभव है अतः हम सभी को वैदिक सिद्धांतों पर आधारित इस संदेश को समझना होगा और सनातन धर्म की पटकों को पूरे विश्व में फैलने वाले सिद्धांतों को आत्मसार करना होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोलते हुए सचिवालय संघ से हरि शरण मिश्र ने बताया कि आज जहां पूरे विश्व में ध्रुवीकरण हो रहा है वही जरूरी है कि हम सनातनी भी संगठित होकर आदि शंकराचार्य के सिद्धांतों की ओर वापस लौटे और देश और दुनिया को दर्शन की दिशा दिखाने वाले महान दार्शनिक के सिद्धांतों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने हेतु जीवंत रूप से चरित्र करें। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक नेता और सर्वजनहिताय संरक्षण समिति की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीना त्रिपाठी भी उपस्थित रहीं।

जातीय जनगणना का श्रेय लेने की होड़ में विपक्ष : अनुप्रिया

लखनऊ, चसं। अपना दल (एस) की मासिक बैठक में केंद्रीय मंत्री और पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर विपक्षी दलों को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 30 अप्रैल को केंद्रीय कैबिनेट में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जातीय जनगणना कराने का निर्णय लिया, जिसकी हमारी पार्टी लंबे समय से मांग कर रही थी। अनुप्रिया ने कहा जो फैसला दशकों में नहीं हुआ, वह मोदी सरकार ने कर दिखाया। केंद्रीय मंत्री ने नाम लिए बिना कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले दल अब इस फैसले का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता को सच्चाई बतानी होगी कि जब उनके पास सत्ता थी, तब उन्होंने यह कदम क्यों नहीं उठाया? अनुप्रिया पटेल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें गांव-गांव जाकर लोगों को विपक्ष की सच्चाई बताइए। बताना चाहिए कि किस तरह कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों ने वर्षों तक केवल वोटबैंक की राजनीति की, लेकिन कभी ओबीसी और एससी वर्ग के सम्मान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

भाजपा की कम्युनल राजनीति का खात्मा हो रहा : अखिलेश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को बड़ा दावा किया। लखनऊ में उन्होंने कहा, जातीय जनगणना के बाद प्राइवेट संस्थानों में भी आरक्षण की व्यवस्था लागू कराई जाएगी। 2027 में सपा की सरकार बनने पर सरकारी विभागों में आउटसोर्स भर्तियां चरणबद्ध तरीके से बंद कर देंगे। सभी को परमानेंट सरकारी नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव 2027 में 403 सीटों पर भाजपा की चारसौबीसी बंद करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार गरीबी, बेरोजगारी और नाकामी से जनता का ध्यान भटकाने के लिए कम्युनल राजनीति कर रही है। ताकि उनसे कोई सवाल नहीं पूछ सके।

अखिलेश यादव ने यह बातें शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। उन्होंने कहा, 2027 में सपा की सरकार बनने पर पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जाएगा। अग्निवीर व्यवस्था बंद करने की दिशा में काम करना होगा। अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा की कम्युनल राजनीति का खात्मा हो रहा है। लोग बेरोजगारी, गरीबी पर सवाल पूछ रहे हैं, इसलिए भाजपा जानबूझकर लोगों को गुमराह कर रही है। जो नैनीताल में हो रहा है, वह इस सोच के कारण हो रहा है। हिलटर के समय एक प्रोपगेंडा अधिकारी होता था, इनकी सरकार तो पूरी तरह झूठा प्रोपगेंडा करती है। अखिलेश ने कहा, 2027 में हम भाजपा को हवा में उड़ा देंगे। मीडिया ने लिखा था कि बलिया में तेल निकला है, सच्चाई है कि भाजपा का तेल जनता ने निकाल दिया था। बलिया, प्रयागराज से हमारे लोग लोकसभा में पहुंच गए। प्रदेश में जगह जगह भाजपा सरकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति तुड़वा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के इशारे पर मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं, इसलिए आरोपियों के खिलाफकार्रवाई नहीं हो रही है। एससी-एसटी आयोग को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। सुहेलदेव सम्मान पार्टी का सुझाव और मांग है कि राजधानी लखनऊ में वीर योद्धा महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा स्थापित की जाए। उन्होंने कहा, 2027 में सपा की सरकार बनने पर राजधानी में रिवर फ्रंट पर उनकी प्रतिमा लगाने का काम करेंगे। उनकी तलवार भी सोने के साथ चमकती हुई दिखाई देगी। अष्टधातु या सोने को लगाकर बनानी पड़ी तो वह भी चमकाएंगे। इंडिया गठबंधन के लोग भाजपा से पूरी तरह सावधान हैं। इंडिया गठबंधन के बढ़ते ग्राफ के कारण भाजपा अपने कट्टर समर्थक वोट बैंक को बचाने के लिए कम्युनल राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जो तलवार लहरा रहे हैं, रामजीलाल सुमन को मारने की धमकी दे रहे हैं, उनके खिलाफकोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बल्कि कम्युनल राजनीति के लिए कभी वक्फबिल की बात कर रहे हैं तो कभी मस्जिद तोड़ रहे हैं।

हिन्दी दैनिक चर्चित राजनीति
लखनऊ, शनिवार 3 मई, 2025
www.charchitrajnit.com

अगर संघर्ष न रहे, किसी भी भय का सामना न करना पड़े, तब जीवन का आधा स्वाद ही समाप्त हो जाता है। याद रखें- अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना सबसे बड़ा अपराध है : सुभाषचंद्र बोस

संपादकीय

भाजपा के दांव से असमंजस में विपक्ष

लम्बे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं- महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लिये आंख खोलने वाला था। हालांकि, वह नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे-अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ ही जाति गणना कराने का फैसला खासा चुनौतीपूर्ण है। जिसके गहरे निहितार्थ सामने आ सकते हैं, जो राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में बदलावकारी प्रभाव छोड़ सकते हैं। बहुत संभव है कि इसके बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्ट्या भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही। वैसे साल 2011 में सामाजिक व आर्थिक उद्देश्यों के लिये जाति गणना की तो जरूर गई, लेकिन विसंगतियों के चलते आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जबकि पिछले कुछ समय से विपक्ष आरक्षण को तार्किक बनाने के लिये जाति गणना की वकालत करता रहा है। हालांकि, पहले भाजपा भारतीय समाज के हित में जाति गणना के प्रस्ताव को अप्रासंगिक बताती रही है, लेकिन देश के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाने के बाद केंद्र को इस बाबत फैसला लेने को बाध्य होना पड़ा।

पूर्व सीजेआई चन्द्रचूड़ के गले की फांस बना तीस्ता सीतलवाड़ को जमानत देना

सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ, जिसमें जस्टिस बी.आर. गवई, ए.एस. बोपन्ना और दीपांकर दत्ता शामिल थे, ने गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को पूर्णतः विकृत और विरोधाभासी करार दिया। पीठ ने यह भी कहा कि सीतलवाड़ की हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अधिकांश साक्ष्य दस्तावेजी हैं और पहले ही जांच एजेंसी के पास हैं। एक पूर्व न्यायाधीश ने राष्ट्रपति को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के मानकों के खिलाफ है और इससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्नचिह्न लगता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप किया, जिससे न्यायिक निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न होता है।

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और विवादास्पद निर्णय सामने आए, जिन्होंने भारतीय न्यायपालिका और समाज पर गहरा प्रभाव डाला। उनके कुछ निर्णयों और दृष्टिकोणों ने सार्वजनिक बहस को जन्म दिया है, 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित मामलों में साक्ष्य गढ़ने और गवाहों को प्रभावित करने के आरोप में जेल में बंद तीस्ता सीतलवाड़ को जमानत देना पूर्व न्यायाधीश के लिये गले की फांस बनता नजर आ रहा है,क्योंकि यह मामला राष्ट्रपति के पास एक शिकायत के रूप में पहुंच चुका है,जिसकी जांच का आदेश भी राष्ट्रपति ने कानून मंत्रालय को दे दिया है। तीस्ता सीतलवाड़ पर 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित मामलों में साक्ष्य गढ़ने और गवाहों को प्रभावित करने के आरोप हैं।

गुजरात हाईकोर्ट ने 1 जुलाई 2023 को उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें तुरंत आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उसी दिन रात में एक विशेष सुनवाई में हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए उन्हें अंतरिम राहत दी। इतना ही नहीं तीस्ता को जमानत मामले की सुनवाई के लिये पहले दो जजो की बेंच बनाई गई, लेकिन इसमें से जब एक जज ने सवाल खड़ा किया कि इतनी जल्दी क्या है जमानत देने की तो मामला फंसता देख तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने तीन जजों की बेंच बना दी जिसने तीस्ता को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ, जिसमें जस्टिस बी.आर. गवई, ए.एस. बोपन्ना और दीपांकर दत्ता शामिल थे, ने गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को पूर्णतः विकृत और विरोधाभासी करार दिया। पीठ ने यह भी कहा कि सीतलवाड़ की हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि अधिकांश साक्ष्य दस्तावेजी हैं और पहले ही जांच एजेंसी के पास हैं। एक पूर्व न्यायाधीश ने राष्ट्रपति को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के मानकों के खिलाफ है और इससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्नचिह्न लगता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप किया, जिससे न्यायिक निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न होता है। शिकायतकर्ता का कहना है यह मामला न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और कार्यपालिका के साथ उसके संबंधों पर व्यापक बहस को जन्म दे सकता है। राष्ट्रपति को भेजी गई शिकायत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है, जो न्यायपालिका की जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकती है। चन्द्रचूड़ के अन्य विवादित फैसलों की बात की जाये तो तस्वीर और भी साफ हो जाती है।2018 में, सुप्रीम कोर्ट की एक पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने 4-1 के बहुमत से आधार योजना को संवैधानिक घोषित किया। हालांकि, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने अपने 481 पृष्ठों के असहमति वाले निर्णय में आधार अधिनियम को संविधान पर धोखा करार दिया। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को मनी बिल के रूप में पारित करना द्विसदनीयता के सिद्धांत का उल्लंघन है और यह नागरिकों की गोपनीयता के अधिकार का हनन करता है। 2018 में, भीमा कोरेगांव हिंसा के सिलसिले में पांच सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी हुई। जब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, तो न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने असहमति जताते हुए कहा कि पुलिस जांच में पक्षपात की संभावना है और एक स्वतंत्र विशेष जांच दल का गठन होना चाहिए।

उन्होंने मीडिया में जांच से संबंधित जानकारी के लीक होने को भी जांच की निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न करने वाला बताया। 2018 में, सुप्रीम कोर्ट ने केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को असंवैधानिक घोषित किया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस निर्णय में सहमति व्यक्त की, लेकिन उन्होंने असैनसियल रीजनल प्रैक्टिस के सिद्धांत पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर महिलाओं के साथ भेदभाव करना संविधान के अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन) का उल्लंघन है। 2023 में, सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने अपने आंशिक असहमति वाले निर्णय में कहा कि समलैंगिक जोड़ों को नागरिक संघ और गोद लेने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी है। 2017 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में गोपनीयता को मौलिक अधिकार घोषित किया। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस निर्णय में कहा कि गोपनीयता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है और यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न हिस्सा है। इस निर्णय ने बाद में धारा 377 को असंवैधानिक घोषित करने का मार्ग प्रशस्त किया। 2019 में, सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया कि मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय सूचना के अधिकार अधिनियम यान आरटीआई के तहत आता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस निर्णय में सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका की पारदर्शिता और स्वतंत्रता एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि दोनों एक साथ चल सकते हैं। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (के अल्पसंख्यक दर्जे पर पुनर्विचार करते हुए कहा कि किसी संस्थान की स्थापना अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा की गई हो, तो उसे अल्पसंख्यक संस्थान माना जा सकता है। इस निर्णय ने 1967 के बाशा मामले को पलट दिया। बता दें कि हाई कोर्ट ने जज निरजार देसाई के फैसला सुनाने के बाद वरिष्ठ वकील मिहिर ठाकोर ने अदालत से गुजारिश की कि अदालत अपने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की रोक लगाए। अदालत ने उनकी इस गुजारिश को मानने से इनकार कर दिया। बचाव पक्ष के वकील सोमनाथ वत्स ने कहा कि लिखित आदेश मिलने के बाद वो इस मामले पर टिप्पणी कर सकेंगे। हालांकि उन्होंने बताया कि हमने अदालत को बताया कि तीस्ता सीतलवाड़ के खिलाफ कोई अपराध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी हुई है, लेकिन जमानत देने के बाद जांच अधिकारियों ने उन्हें किसी भी पूछताछ के लिए नहीं बुलाया। वहीं सरकारी वकील मीतेश अमीन ने कहा कि हमने अदालत में दलील दी कि तीस्ता सीतलवाड़ ने 2002 से 2022 तक सरकार के खिलाफ लगातार आरोप लगाए और सरकार को बदनाम करने की कोशिश की। इसके लिए उन्हें राजनीतिक लाभ भी मिला है। **:: एजेंसी**

क्या मोदी पाकिस्तान के खिलाफ अमेरिका की दोस्ती का इस्तेमाल कर सकते हैं

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने 29 अप्रैल, मंगलवार को अपने दूसरे गैर-लगातार कार्यकाल में अपने पहले 100 दिन पूरे कर लिए हैं, जबकि उनकी अव्यवस्थित नीतियों के कारण वैश्विक अव्यवस्था जारी है। एकतरफा टैरिफ वृद्धि, गाजा में शांति स्थापित करने में विफलता, इजरायल द्वारा हत्याओं का सिलसिला भी जारी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी ट्रम्प के खुद के कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी उथल-पुथल के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है। ट्रम्प प्रशासन के पहले 100 दिनों में टैरिफनीति के कार्यान्वयन की प्रक्रिया में कई उतार-चढ़ाव देखे गये। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध में चीन के साथ अपनी लड़ाई में ट्रंप ने पहले कदम बढ़ाया है, लेकिन अभी तक चीन ने आधिकारिक तौर पर वार्ता के लिए प्रतिनिधि नहीं भेजे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति ट्रंप का रुख अब नरम है। ट्रंप के सलाहकारों को उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह में समाप्त होने वाली 90-दिवसीय विराम अवधि के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के लिए पचास से अधिक देशों की सहमति मिल जायेगी। अब तक कुल 180 व्यापार भागीदारों में से 21 देश व्यापार शर्तों पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गये हैं। अमेरिकी लोग ट्रंप के आखिरी 100 दिनों को किस तरह देख रहे हैं? न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकागो सहित अमेरिका के प्रमुख शहरों में ट्रंप की मगानीतियों और अंधाधुंध निर्वासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। खास बात यह थी कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में कोई भूमिका नहीं थी। ट्रेड यूनियनों और महिला संगठनों सहित विभिन्न हित समूहों ने इसमें अग्रणी भूमिका निभायी।

ट्रंप के लिए बेचैन करने वाला पहलू यह है कि हाल के जनमत सर्वेक्षणों में ट्रंप की स्वीकृति रेटिंग 39 से 44 प्रतिशत के बीच दर्ज की गयी, जो अमेरिकी विश्लेषकों के अनुसार, 100 दिन पूरे होने के बाद अन्य राष्ट्रपतियों की तुलना में सबसे कम थी। जो बाइडेन 54 प्रतिशत और बराक ओबामा 62 प्रतिशत पर थे। 100 दिनों के बाद उनकी रेटिंग में यह गिरावट बढ़ सकती है, अगर वे इस साल जुलाई के बाद अपनी व्यापार कूटनीति में सफलता प्राप्त कर सकें और अमेरिकी लोगों और व्यापारिक साझेदारों को यह साबित कर सकें कि अमेरिका के समर्थन के बिना कोई भी देश वैश्विक व्यापार में समृद्ध नहीं हो सकता। अमेरिकी लोगों ने यह भी देखा है कि वे एकमात्र राष्ट्रपति हैं जिन्होंने गाजा और यूक्रेन में युद्धविराम लाने का काम तुरंत शुरू किया। यह एक नाजुक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन ट्रम्प युद्धविराम की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए रूसी और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों को एक शिखर सम्मेलन में लाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प 9 मई को

ट्रम्प भारत को समर्थन के लिए अमेरिकी व्यापार के लिए कुछ बड़े सौदे की तलाश कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने यूक्रेन के खनिज संसाधनों के बारे में राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ किया था। किसी भी मामले में, भारत के पास बहुत कम विकल्प हैं। मोदी शासन के पिछले ग्यारह वर्षों में, विदेश नीति को अमेरिका को एकमात्र मित्र के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है। रूस इस समय अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में नाराज है, रक्षा आयात के कई क्षेत्रों में रूस की जगह ली जा रही है।

मास्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने वाले हैं। ट्रम्प और पुतिन दोनों यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के बारे में अधिक बात कर सकते हैं, जबकि यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रपति जेलेंस्की को रूस के खिलाफयुद्ध जारी रखने के लिए उकसा रहे हैं। यूरोप के संबंध में, ट्रम्प ने यूरोपीय संघ के सदस्यों को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया है। हंगरी को छोड़कर, उनका कोई समर्थक नहीं है। लेकिन इस साल 20 जनवरी को अपने शपथ ग्रहण के बाद से ही यूरोपीय देशों, खास तौर पर्र फ्रांस और जर्मनी के खिलाफउनके हमलों ने उन देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों की मदद नहीं की है। जर्मनी में ट्रंप का अभियान विफल रहा और फिलहाल जर्मन राष्ट्रवाद की जीत हुई। 28 अप्रैल को केनडा में राष्ट्रीय चुनाव हुए, जिसमें मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी की बड़ी जीत देखी गयी, जो वर्तमान प्रधानमंत्री हैं। भारत के लिए, सबसे तात्कालिक मुद्दा यह है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी 22 अप्रैल को ट्रम्प के 100 दिन पूरे होने से ठीक सात दिन पहले हुए पहलगाम नरसंहार पर जवाबी कार्रवाई के रूप में पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो ट्रम्प क्या निर्णय लेंगे। यह भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, सभी देशों ने पहलगाम नरसंहार की कड़ी निंदा की है और भारत को समर्थन दिया है, लेकिन उन्होंने भारत के इस दावे का समर्थन करते हुए कुछ भी नहीं कहा है कि इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ था।

22 अप्रैल को ही, ट्रम्प और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वांस, जो उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन भारत में थे, ने सहानुभूतिपूर्वक भारत का समर्थन किया। इसे यहां के सरकारी अधिकारियों द्वारा भारतीय स्थिति के लिए एक तरह से स्पष्ट समर्थन के रूप में लिया गया। लेकिन बाद में ट्रंप ने अपना रुख बदलकर तटस्थ रुख अपनाया जब उन्होंने कहा कि- सीमा पर हमेशा तनाव रहा है, लेकिन दोनों देश इसे सुलझा लेंगे। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड की टिप्पणी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा अमेरिका भारत के साथ खड़ा है क्योंकि वह जघन्य पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगा रहा है। मौलिक बात यह है कि वर्तमान वैश्विक स्थिति में ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच एक और युद्ध नहीं चाहेंगे, चाहे अमेरिकी राष्ट्रपति की अपने प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी के प्रति व्यक्तिगत पसंद कुछ भी हो। लेकिन निश्चित रूप से, भारत अमेरिका को पाकिस्तान सरकार पर आतंकी शिविरों को नष्ट करने और भारत के खिलाफ पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए जबरदस्त दबाव डालने के लिए राजी कर सकता है। भारतीय खुफिया एजेंसियों के पास ऐसे आतंकी शिविरों की सूची होगी। सीआईए के पास भी होगी। ट्रंप और तुलसी गबार्ड दोनों के साथ अच्छे संबंधों का उपयोग भारत के लिए तत्काल उपलब्ध विकल्प है। पाकिस्तान पहलगाम नरसंहार की जांच के लिए एक अंतरराष्ट्रीय जांच स्थापित करने की मांग कर रहा है। चीन और कुछ अन्य देशों ने इसका समर्थन किया है। स्पष्ट कारणों से, भारत इस पर सहमत नहीं हो सकता क्योंकि इससे कश्मीर की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय बनाने में मदद मिलेगी। आतंकी शिविरों को नष्ट करने की सीमित कार्रवाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, या तो अमेरिका द्वारा की गयी कार्रवाई के द्वारा, या अमेरिकी समर्थन के साथ भारतीय बलों द्वारा। ट्रंप एक लेन-देनवादी हैं। **:: एजेंसी**

कर्मचारी मापतोल

बेहतर पक्ष यह कि कर्मचारी सुने जाते हैं, उन्हें तसल्लीबख्श विकल्प दिए जाते हैं, ताकि सरकार का सौहार्द पूरी तरह परिष्कृत हो। कर्मचारी महासंघ के त्रिलोक गुट को सरकार की सद्भावना का हर पुष्प सौंपा गया तो फैसलों की स्पष्टता सामने आई। कर्मचारी मांगों के पिटारे तैयार हैं, तो सरकार भी संयुक्त सलाहकार समिति यानी जेसीसी बैठक बुलाने की तैयारी में है। कर्मचारी मापतोल जिस गुंजाइश से

सेर पर सवा सेर के वजन को कम करना चाहते हैं, कमोबेश उसी अनुपात में कुछ योजनाएं और कुछ विकल्प सरकार की तरफ से आश्वासन आगे बढ़ा रहे हैं। मीटिंग से लौटे नेताओं के पास समाधानों की सहमति और आगे बढने का अनुकूल माहौल दिखाई दे रहा है। यह हिमाचल में ही है कि राज्य और कर्मचारी एक हो जाते हैं। सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के कई इंतजाम कर्मचारी बिरादरी की चिंताएं बढ़ाते रहे हैं। ये कितने सही, कितने जरूरी हैं, इससे हटकर अब यह देखने की गुंजाइश पैदा हो रही है कि सहमति के कदमों पर कितना आगे बढ़ा जा सकता है।

रिटायरमेंट की आयु को एक वर्ष आगे सरकाने के तर्क कर्मचारी वर्ग को भले ही पसंद आ रहे हैं, लेकिन बतौर पेंशनर वे चाहते हैं कि कम्यूटेशन स्कीम के वित्तीय लाभ कहीं दरक न जाएं, इसलिए इन्हें यथावत रखा जाए। कर्मचारियों के बीच शिमला के कर्मचारियों की हिस्सेदारी कुछ ऐसा नहीं चाहती कि राजधानी के फलक से उनका साम्राज्य ही न छिन जाए, इसलिए कुछ कार्यालयों के स्थानांतरित होने की खबरों की छानबीन होने लगी है। सरकार कम से कम शिक्षा निदेशालय (उच्च) व शिक्षा निदेशालय (स्कूल) की छतें शिमला में ही महफूज कर रही है। ये बहुत ही भारी भरकम निदेशालय हैं, जो सचिवालय के संपर्क में अपना साम्राज्य बचाना चाहते हैं। शिमला में विभागीय छतों के नीचे एक अलग तरह की सरकारी कार्यसंस्कृति भी निवास करती है। इससे कहीं भिन्न जिला मुख्यालयों की परिधि में कार्यालय रोशन होते हैं। आज अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड का मुख्यालय धर्मशाला से चल रहा है, तो इसकी कार्यशैली में स्वायत्तता और संजीदगी का नया आभास पैदा हुआ है। इसी तरह कुछ कार्यालय बिलासपुर, हमीरपुर, सुंदरनगर, कांगड़ा व पालमपुर जैसे स्थानों पर आकर प्रदेश को समझने लगे हैं। अब सुक्खू सरकार शिमला की जमीन से कार्यालयों की एक खेप को अन्यत्र भेजने के लिए प्रयासरत है, तो कर्मचारियों का मापतोल शुरू हो गया है। कुछ विभागों, निगमों और बोर्डों को जिला मुख्यालयों पर भेजने का इशारा हो गया है। ऐसे में अगर हमीरपुर के आसपास ट्रांसपोर्ट नगर बसाकर ट्रांसपोर्ट विभाग और एचआरटीसी का मुख्यालय बना दिया जाता है, तो परिवहन क्षेत्र में बहुत बड़ा सुधार होगा। पूरे बीबीएन क्षेत्र को आर्थिक राजधानी बनाने की दृष्टि से प्रदूषण विभाग, बैंकिंग सेक्टर के राज्यीय कार्यालय, उद्योग विभाग तथा वित्त निगम के मुख्यालय स्थापित करने होंगे। सुंदरनगर को ऊर्जा शहर का दर्जा देते हुए बिजली विभाग का मुख्यालय बना देना चाहिए। सोलन में बागबानी विश्वविद्यालय के साथ बागबानी विभाग, तो पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के साथ कृषि विभाग का मुख्यालय भी ले आना चाहिए। स्कूल शिक्षा बोर्ड के साथ धर्मशाला में शिक्षा के दोनों निदेशालय, तो मेडिकल यूनिवर्सिटी परिसर मंडी के करीब पूरा चिकित्सा विभाग दिखाई देना चाहिए। बेशक रेरा, पर्यटन निगम और वन्य प्राणी विभाग को धर्मशाला स्थानांतरित करने की औपचारिकताएं चल रही हैं, लेकिन एक तथ्य यह भी है कि शिमला में सरकारी कार्य संस्कृति की छावनी इस बार भी सरकार के मंसूबों को खुर्द-बुर्द करने की जोर-आजमाइश करती दिखाई दे रही है।

मोदी के जातीय जनगणना दांव से बौखलाया विपक्ष

जातीय जनगणना लंबे समय से भारतीय राजनीति का संवेदनशील और विवादास्पद विषय रहा है। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य क्षेत्रीय दल, वर्षों से जातीय जनगणना की मांग करते आ रहे थे। इन दलों का तर्क था कि जनसंख्या में विभिन्न जातियों का वास्तविक अनुपात सामने आए बिना सामाजिक न्याय और संसाधनों का समान वितरण संभव नहीं है। लेकिन जब नरेंद्र मोदी सरकार ने अप्रत्याशित रूप से जातीय जनगणना की घोषणा की, तो यह न केवल विपक्ष को चौंकाने वाला कदम था, बल्कि उनके एक बड़े राजनीतिक मुद्दे को भी कमजोर करने वाला सिद्ध हुआ।

देश में सिर्फ एक बार 1931 में जातीय जनगणना हुई थी,तब अंग्रेजी हुकूमत थी। जातीय जनगणना को लेकर बीजेपी,सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के प्रति कुछ ज्यादा ही हमलावर ह। कांग्रेस को याद दिलाया जा रहा है कि किस तरह से उसके पूर्व नेता और प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जातीय जनगणना के खिलाफ रहते थे। बीजेपी कह रही है कि नरसिम्हा राव और मनमोहन सरकार ने भी कभी जातीय जनगणना के बारे में नहीं सोचा। बहरहाल, मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराये जाने की घोषणा तो कर दी है,लेकिन अभी इस पर काम इतनी जल्दी नहीं शुरू हो पायेगा। बताते हैं कि जनगणना के साथ जाति गणना की प्रक्रिया 2027 तक शुरू हो

विपक्ष को अब नए मुद्दों की तलाश करनी प ?गी जो भाजपा को असहज कर सके। जातीय जनगणना की घोषणा मोदी सरकार का केवल सामाजिक नहीं, बल्कि एक गहरा राजनीतिक कदम है। इसने विपक्ष की वर्षों पुरानी राजनीति को अप्रासंगिक कर दिया है और भाजपा को नए सामाजिक वर्गों के बीच स्वीकार्यता दिलाने की दिशा में आगे बढ़ाया है।

पायेगी। तब यूपी विधान सभा चुनाव सिर पर होंगे। जनगणना में देरी इस लिये होगी क्योंकि इसकी प्रक्रिया तय करने से पूर्व कई तकनीकी बिन्दुओं को भी सुलझाना होगा। जातीय जनगणना विपक्ष के लिए एक मजबूत चुनावी हथियार रहा है, खासकर उत्तर भारत में। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले दलों ने इसे केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ एक नैरेटिव के रूप में इस्तेमाल किया। लेकिन मोदी सरकार द्वारा इस मांग को स्वीकार कर लेना विपक्ष के नैरेटिव को छीन लेने जैसा है। इससे विपक्ष की वर्षों की राजनीति और आंदोलन का केंद्रीय मुद्दा अप्रासंगिक हो गया।जातीय आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में पिछड़ा वर्ग , अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की संख्या कितनी है। इस जानकारी का उपयोग आरक्षण, सरकारी योजनाओं और प्रतिनिधित्व की नीतियों में किया जा सकता है। विपक्ष इस मांग के जरिए यह संदेश देता रहा है कि भाजपा सवर्ण हितैषी है और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। लेकिन जैसे ही केंद्र ने इस मांग को स्वीकारा, भाजपा ने यह संकेत देने की कोशिश की कि वह भी पिछड़ों और वंचितों के हितों के प्रति संवेदनशील है। इससे भाजपा की 'सामाजिक समरसता' की छवि को बल मिला। जातीय जनगणना की घोषणा ऐसे समय में आई जब कई राज्यों में चुनाव निकट हैं और 2024 का लोकसभा चुनाव भी हाल ही में हुआ है या चर्चा में है। यह कदम पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासी वोटरों को सीधे प्रभावित करता है। विपक्ष ने आशा की थी कि भाजपा इस मुद्दे पर पीछे हटेगी, जिससे उन्हें पिछड़े वर्गों को अपनी ओर आकर्षित करने का मौका मिलेगा। लेकिन भाजपा के इस कदम से अब यह वर्ग भ्रमित हो सकता है कि किसे समर्थन दिया जाए। घोषणा के तुरंत बाद विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया मिश्रित रही। कुछ नेताओं ने इसे अपनी जीत बताने की कोशिश की, जबकि कुछ ने इसे देर से उठाया गया राजनीतिक कदम कहा।लेकिन यथार्थ यह है कि यह कदम भाजपा को सामाजिक न्याय के एजेंडे में हिस्सेदार बना देता है, जिससे विपक्ष की विशिष्टता समाप्त हो जाती है।मोदी सरकार ने जातीय जनगणना की घोषणा केवल सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए नहीं की, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक रणनीति भी रही। भाजपा ने यह संदेश दिया कि वह सभी वर्गों की पार्टी है। इसके साथ ही यह कदम संघ के पुराने विचारों से एक प्रकार की दूरी भी दर्शाता है, जहां जातीय आधार पर समाज को विभाजित करने के विचारों से बचा जाता रहा है। यह भाजपा के आधुनिक और समावेशी चेहरे को आगे लाता है। अब विपक्ष के पास यह स्पष्ट रणनीति नहीं रह गई कि वे किस आधार पर भाजपा का विरोध करें। यदि वे इस कदम का स्वागत करते हैं, तो भाजपा को इसका श्रेय मिल जाता है। यदि वे इसका विरोध करते हैं, तो वे जनभावनाओं के विरुद्ध खड़े दिखाई देते हैं। **:: चर्चित डेस्क**

आज का राशिफल

मेष:- विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में डालेगी। नौकरी-व्यवसाय के क्षेत्र में स्पर्धायुक्त वातावरण रहेगा। नए कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। प्रवास की संभावना है।

वृषभ:- मन की दुविधा ठोस निर्णय पर आने से रोकेगी जिससे हाथ आए अवसर आप खो देंगे। झक्की व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है। नए कार्य के लिए दिन अच्छा नहीं है।

मिथुन:- आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ कहीं से गिफ्ट प्राप्त हो सकता है।

कर्क:- शरीर और मन में बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा आपकी निर्णयशक्ति को कसौटी के शिखर पर चढ़ाएंगे। वाद-विवाद से दूर रहें।

सिंह:- आज के दिन आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन का ढीलापन आपको लाभ से वंचित न कर दे, इसका ख्याल रखें। पदोन्नति और आय वृद्धि का योग है।

कन्या:- नए कार्य शुरू करने के लिए निर्मित योजनाओं को अमल में लाने का आज उत्तम समय है। व्यापार में लाभ होगा। बकाया वसूली के पैसे वापस मिलेंगे। पिता की तरफसे लाभ होगा।

तुला:- लंबी दूरी की यात्रा या धार्मिक स्थान की मुलाकात होगी। विदेश यात्रा के लिए अनुकूलता रहेगी। फिर भी आपको संतान और स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंता रहेगी। धन का खर्च होगा।

वृश्चिक:- आज का दिन सावधानीपूर्वक बिताएं। नए कार्य शुरू न करें। क्रोध, आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

धनु:- बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। भागीदारी में लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ के सम्बंधों में अधिक घनिष्ठता रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर:- आज से आपके व्यापार-धंधे का विकास होगा। आर्थिक रूप से लाभदायक दिन होने से पैसे की लेन-देन में सरलता रहेगी। परिवार में सुख- शांति का माहौल रहेगा।

कुम्भ:- आज आप संतान और अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। अपच, पेट-दर्द से परेशान होंगे। विचारों में तेजी से परिवर्तन मानसिक स्थिरता में खलल पहुंचाएगा।

मीन:- शारीरिक- मानसिक भय रहेगा। कुटुंबीजनों के साथ वाद-विवाद होगा। माताजी का स्वास्थ्य खराब होगा। अनचाही घटनाओं से आपके उत्साह में कमी आएगी। अनिद्रा से परेशान रहेंगे।

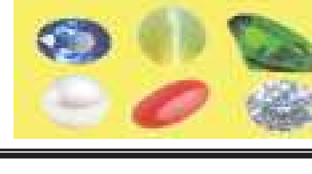

राशि रत्न

'जान है तो जहान है' : ट्रैफिक नियमों को लेकर श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के बच्चों की अनूठी मुहिम

विशेष ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के नन्हें छात्र-छात्राएं इन दिनों समाज में ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर जागरूकता की एक मिसाल पेश कर रहे हैं।

'जान है तो जहान है' जैसे प्रभावी संदेशों के साथ बच्चों ने पोस्टर बनाकर न केवल अपने स्कूल में बल्कि आमजनमानस को भी ट्रैफिक रूल्स के पालन का महत्व समझाने का कार्य किया है। यह प्रयास दर्शाता है कि अगली पीढ़ी सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों को कितनी गहराई से समझ रही है। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में इस माह विशेष ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों के माध्यम से समाज में ट्रैफिक नियमों की जागरूकता फैलाना रहा। बच्चों ने सुंदर व संदेशप्रद पोस्टरों के जरिए अपील की कि घर से दोपहिया वाहन पर निकलते समय हेलमेट जरूर लगाएं और चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें।छात्रों ने अपने पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा-जान है तो जहान है और हेलमेट है तो जीवन सुरक्षित है। यह भावुक अपील समाज के हर वर्ग को सोचने पर मजबूर करती है कि सुरक्षा केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। इस आयोजन में शिक्षिका अर्पिता सिंह और कविता गुप्ता का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने बच्चों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का कार्य किया। स्कूल की प्रातःकालीन असेंबली में प्रतिदिन बच्चों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई जाती है। उन्हें यह भी प्रेरित किया जाता है कि वे घर जाकर अपने माता-पिता व अन्य परिजनों को हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग के लिए प्रेरित करें। जिला अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन भी लगातार नागरिकों से दोपहिया वाहन पर हेलमेट व चारपहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाने की अपील कर रहे हैं। ऐसे में स्कूल के बच्चों की यह पहल प्रशासनिक प्रयासों को एक नई सामाजिक ऊर्जा देती है। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल की यह जागरूकता पहल न केवल अनुकरणीय है, बल्कि यह संदेश देती है कि यदि बच्चे भी समाज को दिशा दिखा सकते हैं, तो बड़ों को उनके उदाहरण का पालन करना ही चाहिए। विद्यालय की छात्रा अपूर्व सिंह चंदेल ने ट्रैफिक रूल्स पर एक कविता के माध्यम से सभी बड़ों से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन पर चलने की जोरदार अपील की है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह के अलावा प्रधानाचार्या, लक्ष्मी देवी, भूमिका सिंह, शिक्षिका मंशा बाजपेई के अलावा प्रज्ञा त्रिवेदी, विनीता त्रिवेदी, ऐश्वर्या सिंह ,कोमल यादव ,सोनम शुक्ला,क्षमा सिंह सहित सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं और बच्चे मौजूद रहे।

हरदोई की आस्था त्रिवेदी दूरदर्शन के रियलिटी शो 'वाह उस्ताद' में टॉप 6 में पहुंची

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। भारतीय शास्त्रीय व अर्ध शास्त्रीय संगीत पर आधारित बहुचर्चित रियलिटी शो 'वाह उस्ताद' में हरदोई की बेटी आस्था त्रिवेदी टॉप 6 की दौड़ में स्थान पका कर लिया है। उन्होंने टॉप 6 की दौड़ की द्वितीय प्रस्तुति उत्तर प्रदेश की लोकगीत शैली में दी, जिसे निर्णायकों से सराहना प्राप्त हुई। उनकी पहली प्रस्तुति भी बेहद प्रभावशाली रही थी। उनकी लोकगीत की प्रस्तुति आप संलग्न विडियो में देख सुन सकते हैं।

यह शो दूरदर्शन और दिल्ली घराना द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें देशभर से 18 वर्ष से अधिक आयु के संगीत प्रशिक्षित प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। वाह उस्ताद शो को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की वेव्स 2025 पहल और क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत प्रसारित किया जा रहा है। 1 मई से 4 मई तक मुंबई के Jio वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होने वाले WAVES 2025 (World Audio Visual & Entertainment Summit) वैश्विक सम्मेलन मे आस्था सहित कुछ अन्य प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की प्रस्तुति हुई है। आस्था वहां पहुंच चुकी हैं। इस समिट का उद्देश्य भारत को मीडिया और मनोरंजन का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाना है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और 'ऑरेंज इकोनॉमी' की महत्ता पर जोर दिया। इसमें 90 से अधिक देशों के 10,000 प्रतिनिधि, 1,000 रचनाकार और 350 स्टार्टअप्स भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में मास्टरक्लास, पैनल चर्चा, 'Create in India' चैलेंज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। यह भारत की रचनात्मकता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता है। आस्था त्रिवेदी आर. आर. इंटर कॉलेज, हरदोई के शिक्षक श्याम नारायण त्रिवेदी और बेसिक शिक्षिका अंजू त्रिवेदी की पुत्री हैं। इससे पहले भी वह दूरदर्शन के प्रादेशिक चैनलों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर कई मंचों पर सराही गई हैं। उनके परिवार में संगीत एक परंपरा है। आस्था की छोटी बहन अनुषा त्रिवेदी भी मधुर गायन के लिए जानी जाती हैं। कार्यक्रम में पारंपरिक शास्त्रीय रचनाओं के साथ फ्यूजन और मौलिक रचनाओं को भी शामिल किया गया है। कुल 26 एपिसोड्स में विभाजित इस शो में प्रतिभागियों का मूल्यांकन देश के प्रमुख संगीतज्ञों द्वारा किया जा रहा है। निर्णायक मंडल में पंडित सज्जन मिश्रा, मीट ब्रदर्स, शान, रूप कुमार राठौड़, तलत अज़ीज़, अनूप जलोटा, मालिनी अवस्थी और जसविंदर नरूला जैसे ख्यातिप्राप्त नाम शामिल हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ रिकॉर्डिंग अनुबंध और प्रतिष्ठित संगीतज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह शो डीडी नेशनल पर प्रसारित हो रहा है और यूट्यूब पर भी दर्शकों के लिए उपलब्ध है।

जाति का जनगणना का मुद्दा राहुल गांधी के दबाव में मोदी सरकार ने लिया : विक्रम पांडे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। प्रांतीय आवाहन पर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा राहुल गांधी को धन्यवाद देते हुए धन्यवाद यात्रा का आयोजन गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए शुरू हुई। उसके बाद शहर में कचहरी परिसर से होते हुए कलेक्ट्रेट होते हुए जेल रोड से होकर अंबेडकर जी प्रतिमा की माला अर्पित करते हुए अंबेडकर पार्क में समापन हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विक्रम पांडे ने कहा कि 2024 में जो भाजपा के लोग जातिगत जनगणना की मांग करने वाले को अर्बन नक्सल कहते थे,आज वही राहुल जी की मांग के आगे झुक गए और सत्य की जीत हुई है। शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा कि देश की जरूरत को लेकर राहुल गांधी जी ने आज तक जो भी कहा, सारी बातें सही निकली। उपरोक्त कार्यक्रम को पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह,महिला अध्यक्ष सुनीता देवी, प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी विभाग शिवा पाल,कार्यालय प्रभारी राजेंद्र वर्मा, जिला सचिव ब्रजेश वर्मा, प्रदेश सचिव महिला कांग्रेस मंजू लता मित्रा आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोशल मीडिया प्रभारी महताब अहमद, जिला महासचिव गोपाल पांडे , आशुतोष गुप्ता ,शानू खा,राहुल वर्मा,भुट्टो मियां,सुधीर पाल, रावेंद्र मिश्रा, बाबा बालकदास,अनूप दीक्षित, मुकेश वर्मा, अनुराग राठौर, अमीर अहमद ललित सिंह, इस्लाम गाजी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ हरदोई के विकास खंड कोथावां इकाई का निर्वाचन हुआ सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। कोथावां ब्लॉक सभागार में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की कोथावां इकाई का निर्वाचन सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ।

चुनाव अधिकारी योगेश वर्मा एवं चुनाव पर्यवेक्षक देवेश सिंह भदौरिया द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई गई। निर्वाचन के उपरांत सत्येन्द्र तिवारी के संरक्षण में अंकित सिंह को अध्यक्ष, विकास वर्मा महामंत्री, राहुल कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुणेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष, देव राज संगठन मंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर रविकांत, गुलाम मेहंदी नकवी, श्याम मिश्रा, सरिता देवी, राज सिंह एवं रूपेंद्र सिंह निर्वाचित हुए। संयुक्त

• अंकित सिंह अध्यक्ष और विकास वर्मा महामंत्री चुने गए

मंत्री के रूप में अरविंद भार्गव, गुफरान हैदर, जय प्रकाश , राहुल सिंह, महेंद्र यादव, मंशाराम निर्वाचित हुए। जिला संयोजक शचींद्र मिश्रा सचिन ने संगठन के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी को एकजुट होने का आह्वान किया एवं ब्लॉक से जिले तक शिक्षकों की सभी समस्याओं के निस्तारण में कंधे से कंधा लगाकर सहयोग करने का भरोसा दिया। ब्लॉक संरक्षक सत्येंद्र तिवारी, जिला सहसंयोजक अखिलेश कुमार सिंह, अनिल दीक्षित,अमित शुक्ला,सौरभ सिंह, दीपक शुक्ला,अजीत शुक्ला, नीरज जैसवाल, डॉ इंद्रजीत, आशीष अग्निहोत्री, दिव्यांशु मिश्रा, अरविंद सिंह ब्लॉक संयोजक बेंहदर ,अवधेश प्रताप सिंह, शेखर गुप्ता आदि ने सभी को बधाई देते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ संगठन में जुड़ने की अपील की तथा शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन संगठन संरक्षक सत्येन्द्र तिवारी ने किया। नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने कार्यक्रम में पधारे सभी शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रमेश पांडेय, सतेन्द्र तिवारी, पंकज रस्तोगी, भुवनेश सिंह, राघवेन्द्र दीक्षित, अरविन्द सैनी,आनंद, अतुल,अमित एवं महिला शक्ति के रूप में नेहा सिंह, गरिमा भारती, कीर्ति यादव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दूरदर्शन पर दिखेंगे हास्य कवि अजीत शुक्ल

हरदोई, चसं। हुनर गर आप में है तो दिखाना भी जरूरी है छुपाकर बैठ जाने से नहीं पहचान बनती है। इन पंक्तियों के रचनाकर हास्य कवि अजीत शुक्ल ने एक बार फिर अपनी कविता के हुनर से हरदोई जनपद को गौरवान्वित किया है।

शहर के कृष्ण नगरिया निवासी अजीत शुक्ल यूं तो पेशे से बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक हैं किंतु अपनी काव्य प्रतिभा से पूरे देश में अपनी पहचान बनाई हुई है।अपनी हास्य कविताओं से सभी को गुदगुदाने वाले कवि अजीत शुक्ल विभिन्न राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में प्रतिभाग कर हरदोई का नाम रोशन करते आ रहे हैं।श्री शुक्ल की पूर्व में न्यूज 18 के चर्चित टीवी शो लपेटे में नेता जी,शेमारू टीवी के वाह भाई वाह,आजतक ,न्यूज 24,जी न्यूज,भारत समाचार व दूरदर्शन पर कविताएं प्रसारित हो चुकी हैं। रविवार को विश्व हास्य दिवस के उपलक्ष्य में दूरदर्शन लखनऊ द्वारा प्रसारित होने वाले हास्य कवि सम्मेलन का शूट बुधवार को किया गया।कार्यक्रम का प्रसारण चार मई दिन रविवार को प्रातः आठ बजकर तीस मिनट व पुनः प्रसारण दोपहर एक बजे किया जाएगा।अजीतशुक्ल के कार्यक्रम को लेकर उनके शुभचिंतकों में उत्साह है। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सांडी डॉ सुनील कुमार,श्याम जी गुप्ता,अमित शुक्ल,सचिन मिश्र,पंकज अवस्थी,अमन श्रीवास्तव, सरल सुनामी,गीतेश दीक्षित,वैभव शुक्ल,उदयराज सिंह,आकाश सोमवंशी,दिव्यांशु शुक्ल सहित कई शिक्षकों,कवियों व समाजसेवियों ने उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना बच्ची के लिए संजीवनी

हरदोई, चसं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांडी के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विनोद यादव के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्ची अशी सैनी को चिन्हित करके उसको केजीएमसी के लिए रेफर किया गया था, जिसका कुछ दिन पूर्व ओपन हार्ट सर्जरी के द्वारा सफल ऑपरेशन केजीएमसी में किया गया।

ज्ञात हो कि अशी के पिता नीरज सैनी का स्वर्गवास हो चुका है और मां बेरोजगार है ऐसे में आरबीएसके कार्यक्रम अशी के लिए वरदान साबित हुआ।आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रोहताश कुमार एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज सिंह एवं आर बी एस के कार्यक्रम प्रबंधक शाहिद तथा डॉ विनोद यादव ने बच्ची के घर जाकर उसका हाल चाल लिया।सीएमओ ने बच्ची के ओपन हार्ट सर्जरी के सफल ऑपरेशन के लिए उसको बधाई और शुभकामनाएं दी एवं पुरस्कार भी दिया।डॉ मनोज सिंह ने आरबीएसके टीम के चिकित्सकों को बहुत-बहुत बधाई दी और कहा कि टीम बहुत ही मेहनत और लगन से काम कर रही है । इस अवसर पर निधि सैनी, गोपाल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

ट्रक को बचाने के प्रयास में अरवल पुलिस की जीप पेड़ से टकराई थाना अध्यक्ष समेत तीन घायल

हरपालपुर/ हरदोई, चसं। हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र में ट्रक को बचाने में अरवल पुलिस की सरकारी गाड़ी पेड़ से टकरा गई। हादसे में एसओ समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गएहरदोई जिले में हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कटरा-बिल्हौर मार्ग पर एक ट्रक को बचाने में अरवल पुलिस की सरकारी बोलेरो गाड़ी एक पे? से टकरा गई। हादसा शेखपुर गांव के पास शुक्रवार त?के हुआ, जिसमें थानाध्यक्ष अरवल समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। तीनों को सीएचसी ले जाया गया। वहां से एसओ की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। अरवल थानाध्यक्ष विवेक वर्मा हमराही सिपाही अंकुर व चालक विवेक कुमार के साथ बृहस्पतिवार की रात सवायजपुर क्षेत्र में जोनल चेकिंग के लिए सरकारी बोलेरो गाड़ी से गए थे। शुक्रवार त?के करीब तीन बजे सवायजपुर से वापस आ रहे थे। तभी कटरा- बिल्हौर मार्ग पर शेखपुर गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक को बचाने में गाड़ी अनियंत्रित होकर पास के पेड़ से टकरा गई।गंभीर हालत में थानाध्यक्ष रेफर इसमें सवार थानाध्यक्ष अरवल विवेक वर्मा, सिपाही अंकुर व चालक विवेक कुमार घायल हो गए। तीनों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर में भर्ती कराया गया। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक हरपालपुर बालकृष्ण मिश्रा ने पुलिस बल के साथ समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घायल पुलिस कर्मियों का हालचाल लिया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर थानाध्यक्ष अरवल विवेकवर्मा को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पति गिरफ्तार

हरदोई, चसं। सवायजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गौरखेड़ा में मायके में रह रही विवाहिता की आग लगा कर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त विवरण में 6 मार्च को विवेक प्रताप सिंह पुत्र राजपाल सिंह निवासी ग्राम गौरखेड़ा थाना सवायजपुर द्वारा थाना सवायजपुर पर तहरीर दी गयी कि उपेन्द्र सिंह पुत्र दिनेश पाल निवासी न्यू फौजी कालोनी थाना फतेहगढ़ जनपद फर्रुखाबाद व उसके परिजनों द्वारा उस की बहन को प्रताड़ित किया गया। जिससे आहत होकर उसकी बहन ने 25 फरवरी को घर से कुछ दूरी पर स्वयं को आग लगा ली।इलाज के दौरान लखनऊ में 2 मार्च को उसकी मृत्यु हो गई। द्वारा आत्महत्या कर ली गयी। इसके संबंध में थाना सवायजपुर पुलिस ने मृतका के पति सहित तीन लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी।

जातिगत जनगणना करवाने में ओबीसी महासभा की महत्वपूर्ण भूमिका : मिथलेश शर्मा

शाहाबाद/हरदोई, चसं। केंद्र सरकार द्वारा भारत में जातिगत जनगणना करवाने के प्रस्ताव को पारित करवाने में ओबीसी महासभा द्वारा लगातार चलाए जा रहे आंदोलन और जातिगत जनगणना करवाए जाने की मांग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ओबीसी महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मिथलेश शर्मा ने कहा भारत देश का सबसे बड़ा पिछड़ा वर्ग का संगठन ओबीसी महासभा देश के 18 राज्यो तक फैला हुआ है।जिसमें लाखों कार्यकर्ताओं ने मेहनत कर विगत सात वर्षो से सड़क से लेकर सदन तक सदन से लेकर हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक मुख्यमंत्री राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति भवन तक हर जगह अपनी बात रखी 500 से ज्यादा धरना प्रदर्शन आंदोलन हुए हर माह मासिक ज्ञापन देकर जातिगत जनगणना की मांग पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के मुद्दों पर लगभग 78 ज्ञापन दिए।आज परिणाम आप सबके सामने है अब देश के सभी राजनीतिक दल ओबीसी महासभा की मांग का समर्थन कर रहे हैं हम सभी राजनीतिक दलों का धन्यवाद करते हैं ।जिन लोगों ने 7 साल से ओबीसी महासभा के साथ मिलकर संघर्ष किया सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं जिन्होंने लाठी खाई जेल गए घर परिवार छोड़कर संघर्ष में हमारा साथ दिया उन सभी क्रांतिकारी साथियों का ओबीसी महासभा धन्यवाद करती है बधाई देना चाहती है।आगे भी सभी को धन,धरती,राज पाठ में हिस्सेदारी दिला कर रहेंगे। मंडल कमीशन की अनुसंशा लागू कराकर रहेंगे यह हमारा संकल्प है। पिछड़ों गरीबों किसानों मजदूरों कमजोर वर्ग को न्याय मिलने तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

हरदोई, चसं। पाली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी को बहला फुसलाकर के ले जाने के मामले में किशोरी के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू की है। पीड़ित पिता के अनुसार एक मई की दोपहर में उसकी 16 वर्षीय पुत्री को पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम विल्सर हेलन निवासी अंकित धोबी पुत्र भईयालाल फुसलाकर कहीं भगा ले गया।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना
खुली ई–निविदा सूचना संख्या : SRDEE-TRD-IZN-2025-26-T01 Date : 30.04.2025
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/
कर्षण वितरण/इज्जतनगर

बी फार्मा द्वितीय वर्ष के छात्र दीपक को कॉलेज परिसर में पीटने का वीडियो वायरल

हरदोई, चसं। जिले के अतरौली थाना क्षेत्र स्थित जीविका फार्मेसी कॉलेज में एक छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। बी. फार्मा द्वितीय वर्ष के छात्र दीपक को कॉलेज परिसर में पीटने का वीडियो सामने आया है। दीपक शाहजहांपुर के कांठ थाना क्षेत्र के ईकनौरा गांव का रहने वाला है। कॉलेज हॉस्टल में रहने वाले सलमान और प्रेम शुक्ला ने 1 मई की रात दीपक को कमरे से बाहर बुलाकर पीटा। इस दौरान मौजूद अन्य छात्रों ने न तो दीपक की मदद की और न ही पिटाई को रोका। वे केवल वीडियो बनाते रहे। पीडति की मां नीलम ने अतरौली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि कुछ छात्र पहले से ही उनके बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित की मां नीलम ने अतरौली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि कुछ छात्र पहले से ही उनके बेटे को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल– वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/ लॉट सं0	PARKING-LKO-PFM-MX-157-25-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	01.05.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	17.05.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	17.05.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

No: C/113-E-Auction Policy/2024/SKS Dt. 01.05.2025 1300/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदोई

पत्रांक संख्या : 137/न0पा0परि0ह0(नि0वि0)/ई-निविदा/2024-25 दिनांक : 2.5.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद हरदोई, द्वारा राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि के अतर्गत कार्य की ई - निविदा निर्धारित शर्तों/नियमों के अधीन आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण निम्नवत है। निविदा की समस्त कार्यवाही http//etender.up.nic.in पर ही की जाएगी :-

टेंडर शेड्यूल

S. No.	नगर पालिका परिषद हरदोई ANM stage	निविदादाता/ठेकेदार Vendor stage	प्रारंभिक तिथि व समय	अंतिम तिथि व समय
1	Tender release	-	03.05.2025-04 PM	
2		Tender download	03.05.2025-04 PM	24.05.2025-05 PM
3		Bid submission	03.05.2025-04 PM	24.05.2025-05 PM
4	Close for Bid			24.05.2025-05 PM
5	Technical Bid opening			26.05.2025-12 PM
6	Online finance Bid opening	After approval of Technical bid and submit original documents as per following clause 13		

निविदा संबधित समस्त विवरण नगर पालिका परिषद, हरदोई के वेबसाइट www.npphardoi.co.in पर व जिले की www.hardoi.nic.in पर देखी जा सकती है।

(रामेंद्र सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदोई

(सुख सागर मिश्र 'मधुर')
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, हरदोई

संक्षिप्त समाचार

मारुति सुजुकी का 500 पदों के लिए लखनऊ आईटीआई में कैम्पस ड्राइव

लखनऊ, चसं। राजकीय औद्योगिकप्रशिक्षण संस्थान अलीगंज लखनऊ में 5 व 6 मई को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा मानेसर, गुरुग्राम हरियाणा प्लांट के लिए अस्थायी कामगार के 500 पदों पर चयन हेतु कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि कैम्पस ड्राइव के अंतर्गत 5 मई को लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी तथा उसमें उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 6 मई को होगा। इस अवसर पर ट्रेनिंग, काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खां ने बताया कि चयन अस्थायी कामगार के पद पर किया जाएगा।अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक के साथ फिटर, मशीनिस्ट, ग्राइंडर, मोटर वेहकिल मेकैनिक,पेंटर, टर्नर, वेल्डर, डीजल मेकैनिक,ट्रैक्टर मेकैनिक आदि में आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। प्रतिभागियों की आयु 18 से 26 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 32,800 रूपये प्रतिमाह वेतन तथा कंपनी द्वारा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। भर्ती प्रक्रिया केवल पुरुष अभ्यर्थियों के लिए खुली है। 5 मई को प्रातः 10 बजे प्रवेश पत्र, बायोडाटा तथा शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में उपस्थित होकर रोजगार अवसर का लाभ उठाएं।

राजधानी का वन अप मोटर्स बना मारुति सुजुकी का सर्वश्रेष्ठ डीलर, बाकू में मिला सम्मान

लखनऊ, चसं। मारुति सुजुकी ने अजरबैजान की राजधानी के बाकू में डीलर्स मीट का शानदार आयोजन किया। इस डीलर्स मीट में पूरे देश से मारुति सुजुकी के डीलर्स पहुंचे थे। एक बेहतरीन समारोह में डीलर्स को सम्मानित किया गया। मारुति सुजुकी के सैंकड़ों डीलर्स के बीच लखनऊ के वन अप मोटर्स को सर्वश्रेष्ठ डीलर के रूप में सम्मानित किया गया। राजधानी के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि लखनऊ के मारुति सुजुकी डीलर वन अप मोटर्स को बाकू में सम्मानित किया गया है। रंगारंग समारोह में मारुति सुजुकी द्वारा वन अप मोटर्स के यशवर्धन अग्रवाल, अभिमन्यु मंगलम, सूर्यवर्धन अग्रवाल और समन्यु मंगलम को सम्मानित किया गया। इससे पहले भी वन अप मोटर्स को तमाम सम्मान प्राप्त हो चुके हैं और पिछले दिनों मारुति सुजुकी ई विटारा की लॉन्चिंग भी वन अप मोटर्स शोरूम से की गई थी।

विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने घर भेजे रिकॉर्ड 129.4 बिलियन डॉलर

नयी दिल्ली, एजेंसी। विदेशों में काम कर रहे भारतीयों ने रिकॉर्ड 129.4 बिलियन डॉलर भारत भेजे, जो कि अब तक का सबसे उच्चतम आंकड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए बैलेंस ऑफपेमेंट्स डेटा के विश्लेषण के अनुसार, दिसंबर तिमाही में 36 बिलियन की रिकॉर्ड पदसिवे हुई। भारत ने लगातार तीसरे वर्ष 100 बिलियन से अधिक की रेमिटेंस प्राप्त की है। भारत 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्तकर्ता देश बना रहा, जबकि दूसरे स्थान पर मैक्सिको (68 बिलियन डॉलर) और तीसरे स्थान पर चीन (48 बिलियन डॉलर) रहा। विश्व बैंक के अनुसार, फिलीपींस (40 बिलियन डॉलर) और पाकिस्तान (33 बिलियन डॉलर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। 2024 में वैश्विक प्रेषण वृद्धि दर 5.8 प्रतिशत रही, जो 2023 में 1.2 प्रतिशत थी। भारत के अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों की संख्या 1990 में 6.6 मिलियन से बढ़कर 2024 में 18.5 मिलियन हो गई है और इस दौरान भारत की हिस्सेदारी वैश्विक प्रवासियों में 4.3ः से बढ़कर 6ः हो गई है। खाड़ी देशों में भारतीय प्रवासियों की संख्या सबसे अधिक है, जो कुल भारतीय प्रवासियों का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हैं। ओईसीडी देशों में नौकरी बाजार में सुधार- विशेष रूप से अमेरिका, जहां विदेशी कामगारों की नौकरियां फरवरी 2020 (कोविड-19 से पहले) के स्तर से 11ः अधिक हो गई हैं। जनसंख्या वृद्धि, आय असमानता और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता प्रवासन- विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, यह कारक भविष्य में भी प्रवासी प्रेषण में वृद्धि जारी रखेंगे। निम्न और मध्यम आय वाले देशों को 2024 में आधिकारिक रूप से 685 बिलियन डॉलर का प्रेषण मिलने का अनुमान है। पिछले दस वर्षों में प्रवासी प्रेषण 57ः बढ़े, जबकि एफडीआई (विदेशी प्रत्यक्ष निवेश) 41ः गिरा।

चित्रकूट में इको टूरिज्म को बनाने की तैयारी

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश सरकार इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए चित्रकूट के रानीपुर टाइगर रिजर्व के आसपास पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने के लिए 13.68 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना का उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाना और चित्रकूट को एक विश्वस्तरीय इको टूरिज्म गंतव्य के रूप में विकसित करना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि चित्रकूट केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता से भरपूर एक अनूठा स्थान है। यहां आने वाले पर्यटक अध्यात्म और प्रकृति दोनों का भरपूर आनंद ले सकते हैं। रानीपुर टाइगर रिजर्व इस क्षेत्र का प्रमुख आकर्षण है, जहां सरकार अत्याधुनिक सुविधाओं का विकास कर रही है। इसके तहत पर्यटकों के लिए आरामदायक और आधुनिक सुविधाओं से लैस काटजेज और अन्य संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के तहत कई महत्वपूर्ण ढांचागत विकास कार्य किए जाएंगे, जिनमें ओपन पब्लिक एरिया, योग एवं ध्यान केंद्र, दो सेंटर रूम, विभिन्न प्रकार के कोटेजेज, प्रशासनिक भवन, कार्यालय, क्लॉक रूम, पुरुष एवं महिला शौचालय ब्लॉक, बहुउद्देश्यीय हॉल, पार्टी लॉन, रसोई और रेस्तरां शामिल हैं। इसके अलावा, सेवा कक्ष, कवर्ड रूम, बाउंड्री वॉल, प्रवेश द्वार, हरित मार्ग सहित अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। सरकार का उद्देश्य चित्रकूट को इको टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बनाना है, जिससे न केवल पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके, बल्कि स्थानीय लोगों को भी रोजगार और आर्थिक समृद्धि के नए अवसर प्रदान किए जा सकें।

भारत की ऊर्जा विजन : 2047 तक ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने का लक्ष्य

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत के पास ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करने का अभूतपूर्व अवसर है और इसे सही दिशा में आगे बढ़ाकर हम न केवल अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े स्वच्छ बिजली निर्यातकों में भी शामिल हो सकते हैं। भारत अपनी स्वतंत्रता के शतक (2047) के करीब पहुंचते हुए यह सपना देख रहा है कि वह न केवल ऊर्जा का आयातक नहीं, बल्कि ऊर्जा का प्रमुख निर्यातक बने।

वर्तमान में भारत हर साल 130 बिलियन डॉलर से अधिक का खर्च तेल और गैस आयात पर करता है, जो रुपए को कमजोर करता है और महंगाई को बढ़ाता है। इस निर्भरता से मुक्ति पाना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक कदम भी है। अब तक, तेल का वैश्विक व्यापार होता है, लेकिन बिजली का नहीं। लेकिन अब, उच्च-वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन, गिरती बैटरी स्टोरेज लागत और समुद्र में बिजली ट्रांसमिट करने वाले सबमरीन केबल्स के साथ, एक वैश्विक बिजली नेटवर्क बनाना अब संभव हो गया है। भारत के पास दुनिया के सबसे मजबूत पावर ग्रिडों में से एक है, जो नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से जुड़ा है। अगले चरण में, 50 ळ का एक ऊर्जा सुपरहाइवे सऊदी अरब से जापान तक बनेगा। 5 वर्षों में, भारत सऊदी अरब से 10 ळ की कनेक्टिविटी स्थापित कर सकता है, जो इसे यूरोपीय ग्रिड से भी जोड़ने में मदद करेगा। यह कनेक्टिविटी भारत को सस्ती और सस्ती ऊर्जा के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में सबसे बड़ी चुनौती ऊर्जा भंडारण है। हालांकि, स्टोरेज लागत तेजी से गिर रही है, और भारत की विशाल जलविद्युत क्षमता का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके साथ ही, एचवीडीसी ट्रांसमिशन के साथ बड़े पैमाने पर स्टोरेज का एकीकरण, सीमाओं के पार ऊर्जा ट्रांसफर को सरल बनाएगा। भारत को एचवीडीसी कन्वर्टर्स, सबमरीन केबल्स, ऊर्जा भंडारण और विशेष केबल-ले जाने वाले जहाजों के घरेलू निर्माण क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, हमें ट्रांसमिशन लिंक को भी विस्तार देना होगा। अगले दशक में, 50 की बैटरी स्टोरेज की आवश्यकता होगी, जिसे पूरा करने के लिए भारत को वैश्विक सहयोग की जरूरत है। 2035 तक, जब वैश्विक ग्रिड आपस में जुड़ जाएंगे, तो रूस, यूरोप और अमेरिका से भी कनेक्टिविटी स्थापित होगी।

गुजरात ने हैदराबाद को दी पटखनी, गिल का अर्द्धशतक

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। शुभमन गिल और जोस बटलर की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के दम पर गुजरात टाइटंस ने शुक्रवार को आईपीएल-2025 में नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने छह विकेट खोकर 224 रन बनाए। हैदराबाद की टीम इस स्कोर के सामने 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 186 रन ही बना सकी। इस जीत ने गुजरात को प्वाइंटस टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंचा दिया है। उसके 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के बाद 14 अंक हो गए हैं और उसने अपनी प्लेऑफ की दावेदारी काफी मजबूत कर ली है। वहीं हैदराबाद के लिए प्लेऑफ के रास्ते आंकड़ों के लिहाज से बंद नहीं हुए हैं, लेकिन बेहद मुश्किल जरूर हो गए हैं। हैदराबाद के 10 मैचों में तीन जीत और सात हार से छह अंक हैं और अब अगर उसे प्लेऑफ में जाना है तो हर मैच में जीत चाहिए ही चाहिए। हैदराबाद के पास जिस तरह की बल्लेबाजी है उसे देखते हुए 225 रनों का स्कोर हासिल करने वाला लग रहा था, लेकिन गुजरात के गेंदबाजों ने हैदराबाद के तूफानी बल्लेबाजों पर ब्रेक लगा दिया। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर जैसे ही हेड आउट हुए हैदराबाद की टीम बैकफुट पर पहुंच गई। हेड को प्रसिद्ध कृष्णा ने राशिद खान के हाथों कैच कराया। हेड ने 16 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 20 रन बनाए। उनके जाने के बाद रनगति बढ़ने लगी और इसके दबाव में ईशान किशान भी पवेलियनल लौट गए उन्होंने 17 गेंदों पर 13 रन बनाए।

अभिषेक का अर्धशतक : अब हैदराबाद की पूरी उम्मीदें अभिषेक शर्मा पर टिकी थीं। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और 12वें ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का मारते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इसके लिए

28 गेंदें लीं। उनके साथ थे हेनरिक क्लासेन। दोनों के ऊपर ही टीम की जिम्मेदारी थी। खतरनाक होते दिख रहे अभिषेक शर्मा को गुजरात के इम्पैक्ट प्लेयर ईशांत शर्मा ने आउट किया। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर अभिषेक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मोहम्मद सिराज के हाथों लपके गए। उन्होंने 41 गेंदों पर चार चौके और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। अगले ओवर में कृष्णा ने क्लासेन को आउट कर हैदराबाद की उम्मीदों को एक और बड़ा झटका दिया। इस बल्लेबाज ने 18 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। अनिकेत वर्मा की पारी का अंत ने सिराज ने कर अपना खाता खोला और यहां से हैदराबाद की हार तय लगने लगी। अगली ही गेंद पर सिराज ने कामिंडु मेंडिस को आउट कर दिया। सिराज हैट्रिक पर थे लेकिन पूरी नहीं कर सके। इसके बाद हैदराबाद की हर तय लग रही थी जो अंततः हो भी गई।

गिल-सदुर्शन ने रखी नींव : गुजरात को इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने का न्योता मिला। टीम के कप्तान गिल और उनके सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन ने एक बार फिर टीम को मजबूत शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। सुदर्शन सातवें ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए और दो रनों से अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने 23 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 48 रन बनाए। इसके बाद गिल को अनुभवी बल्लेबाज जोस बटलर का साथ मिला। दोनों ने टीम का स्कोर 149 तक पहुंचाया और यहीं गिल की पारी का अंत एक रन आउट के जरिए हो गया। गिल ने 38 गेंदों पर 10 चौके और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए।

बटलर ने दिखाया रंग : गिल के जाने के बाद बटलर ने जिम्मेदारी ली और स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया। 19वें ओवर की चौथी गेंद पर वह आउट हो गए। उन्होंने 37 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर ने 16 गेंदों पर 21 रन बनाए। शाहरुख खान दो गेंदों पर छह रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल तेवतिया ने तीन गेंदों पर छह रन ही बनाए। इससे पहले शुरुआती मैच की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल 2025 में अपने होमग्राउंड पर पहला मैच शुभ साबित नहीं हुआ। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली आरसीबी को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर गुजरात टाइटंस के हाथों 13 गेंदें शेष रहते 8 विकेट की शिकस्त सहनी पड़ी। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए। जवाब में गुजरात टाइटंस ने 17.5 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। गुजरात की यह तीन मैचों में दूसरी जीत रही जबकि आरसीबी की इतने मैचों में पहली हार। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने मैच के बाद प्रसारणकर्ता से बातचीत में बताया कि उनकी टीम के हाथ से मैच कहां फिसला।

पाटीदार ने बताया कि उनकी टीम का लक्ष्य 190 रन का स्कोर खड़ा करना था और शुरूआती झटकों से उन्हें नुकसान हुआ। 200 नहीं, हमने 190 रन के करीब का लक्ष्य बनाया था। इस मुकाबले में शुरूआती ओवरों में विकेट गिरने से हमें नुकसान हुआ। हमारी टीम का इरादा अच्छा था, लेकिन पावरप्ले में तीन विकेटों ने फर्क पैदा कर दिया। रजत पाटीदार ने कहा कि जल्दी विकेट गिरने के बाद जिस तरह जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टन और टिम डेविड ने प्रदर्शन किया, उसकी तारीफ बनती है। उन्होंने कहा, जल्दी विकेट गिरने के बाद जितेश, लियाम और टिम ने अच्छी बल्लेबाजी की। उनको बल्लेबाजी करते देखना हमारे लिए सकारात्मक पक्ष रहा। हम अपनी बैटिंग यूनिट को लेकर विश्वास से भरे हैं और यह सकारात्मक संकेत हैं। रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि मैच को 18वें ओवर तक खींचना बड़ी बात थी। आरसीबी के कप्तान ने कहा, दूसरी पारी में पिच अच्छी हो गई थी। हमारे गेंदबाजों ने जिस तरह प्रदर्शन किया, वो तारीफ पाने के हकदार हैं। इस मैदान पर ऐसे लक्ष?य को पाने के लिए 18वें ओवर तक मैच खींचना बड़ी बात है। हमारे गेंदबाज तारीफ पाने के हकदार हैं।%

आरसीबी को दो स?थान का नुकसान

आरसीबी को इस हार के कारण आईपीएल 2025 की प?वाइंट्स टेबल में दो स्थान का नुकसान हुआ। आरसीबी की टीम प्वाइंट्स टेबल में नंबर-1 से तीसरे स्थान पर खिसक गई है। वहीं गुजरात टाइटंस को जीत के बावजूद कोई फायदा नहीं हुआ और वो चौथे स्थान पर काबिज है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर काबिज है।

विराट कोहली को लगी चोट : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को आईपीएल-2025 में बुधवार को अपने घर में हार का सामना करना पड़ा है। ये आरसीबी का इस सीजन अपने घर में पहला मैच था जिसमें गुजरात टाइटंस ने उसे

■ सनराइजर्स हैदराबाद के लिये प्ले आफ में पहुंचना कठिन

हरा दिया। इस हार के साथ ही आरसीबी को एक और बात की टेंशन हो गई है। ये है विराट कोहली की चोट की। विराट कोहली गुजरात के दौरान फेल रहे। उनका बल्ला चला नहीं। अरशद खान ने दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। कोहली अपने घर में सात रन बनाकर आउट हो गए। उनके आउट होने से पूरा चिन्नास्वामी स्टेडियम निराश दिखा क्योंकि ये कोहली का दूसरा घर कहा जाता है और वह आरसीबी के स्टार माने जाते हैं। हालांकि, इससे भी ज्यादा फैंस को निराशा और दुख तब हुआ जब कोहली को फील्डिंग करते हुए चोट लग गई और वह दर्द से कराहने लगे। मामला गुजरात की पारी के 12वें ओवर की पांचवीं गेंद का है। साई सुदर्शन ने एक दमदार शॉट खेला। उन्होंने क्रुणाल पांड्या की गेंद पर डीप मिडविकेट पर शॉट मारा। कोहली गेंद तक पहुंच गए थे, लेकिन वह गेंद को रोक नहीं पाए और क्योंकि शॉट काफी तेज था और इसी दौरान वह अपना हाथ चोटिल करा बैठे। कोहली ने तुरंत अपना हाथ पकड़ा और वह दर्द से कराहते हुए दिखाई दिए। इसी दौरान फीजियो भी वहां आ गए और कोहली को देखने लगे। हालांकि, कुछ देर बाद कोहली खड़े हो गए, लेकिन सभी के मन में सवाल ये है कि कोहली की चोट गंभीर तो नहीं है और क्या वह अगले मैच में खेल पाएंगे या नहीं। इसे लेकर अभी तक स्थिति साफ नहीं है कि कोहली की चोट की स्थिति कैसी है। इस मैच में गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। उनके गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही ठहराया और आरसीबी को अच्छी शुरुआत नहीं करने दी। आरसीबी ने लियाम लिविंगस्टन के अर्धशतक, जितेश शर्मा के 33 और अंत में टिम डेविड के 32 रनों के दम पर किसी तरह आठ विकेट खोकर 169 रन बनाए। लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर एक चौके और पांच छक्कों की मदद से 54 रनों की पारी खेली। गुजरात ने जोस बटलर के 39 गेंदों पर नाबाद 73 रनों के दम पर ये टारगेट 13 गेंद पहले हासिल कर लिया। इसमें साई सुदर्शन के 49 रनों का भी योगदान रहा जिन्हें बनाने के लिए बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 36 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और एक छक्का मारा। शेरफाने रदरफोर्ड 18 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाने में सफल रहे।

> पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने छह विकेट खोकर 224 रन बनाए। हैदराबाद की टीम इस स्कोर के सामने 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 186 रन ही बना सकी। इस जीत ने गुजरात को प्वाइंटस टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंचा दिया है। उसके 10 मैचों में सात जीत और तीन हार के बाद 14 अंक हो गए हैं।

जोस बटलर के तूफान में उड़ी आरसीबी : गुजरात टाइटंस ने जोस बटलर की शानदार पारी और गेंदबाजों के दमदर प्रदर्शन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को उसके ही घर एम चिन्नास्वामी में आठ विकेट से हरा दिया है। आईपीएल-2025 में ये गुजरात की दूसरी जीत है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 169 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने ये टारगेट 17.5 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। आरसीबी के लिए अंत में लियाम लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर एक चौके और पांच छक्कों की मदद से 54 रनों की पारी खेली। उनके अलावा जितेश शर्मा ने 21 गेंदों पर 33 रन बनाए। टिम डेविड ने 18 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 32 रन बनाए। जोस बटलर ने 39 गेंदों पर नाबाद 73 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और छह छक्के मारे। गुजरात के कप्तान इस मैच में फेल रहे और 14 गेंदों पर इतने ही रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें भुवनेश्वर कुमार ने पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद साई सुदर्शन और जोस बटलर ने साझेदारी की और टीम को मजबूत किया। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों पर 75 रनों की साझेदारी की। सुदर्शन अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। 49 रनों के निजी स्कोर पर हेजलवुड ने जितेश के हाथों उन्हें कैच कराया। अपनी 36 गेंदों की पारी में उन्होंने सात चौके और एक छक्का मारा। बटलर ने उनके बाद आए शेरफाने रदरफोर्ड के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। बटलर ने फिर रदरफोर्ड के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी। रदरफोर्ड ने 18 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली जिसमें एक छक्का और तीन चौके शामिल रहे। ये गुजरात की विकेटों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत है। आरसीबी के लिए हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार ने एक-एक विकेट लिए। अपने घर में खेल रही आरसीबी को अरशद खान और मोहम्मद सिराज ने अच्छी शुरुआत नहीं करने दी। अरशद ने दूसरे ओवर में विराट कोहली को सात के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। सिराज ने देवदत्त पडिक्कल को बोल्ड कर आरसीबी को दूसरा झटका दिया। वह चार रन ही बना सके। कप्तान रजत पाटीदार को ईशांत शर्मा ने पवेलियन भेजा। कप्तान 12 गेंदों पर 12 रन ही बना सके। उनसे पहले सिराज ने तूफानी बल्लेबाज फिल सॉल्ट की पारी का अंत कर दिया था। वह 13 गेंदों पर 14 रन ही बना सके। इसके बाद जितेश और लिविंगस्टन ने पारी को संभाला। इस जोड़ी ने टीम का स्कोर 94 रनों तक पहुंचाया। जितेश को साई किशोर ने पवेलियन की राह दिखाई। साई किशोर ने क्रुणाल पांड्या को भी पवेलियन की राह दिखाई। सिराज ने अर्धशतक पूरा करने वाले लिविंगस्ट को आउट कर गुजरात को राहत दी।

डाबर ग्लूकोज ने युवा एथलीट्स को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया 'एनर्जाइज इंडिया' कैंपेन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन 'एनर्जाइज इंडिया' का लॉन्च किया है।

इस कैंपेन के तहत डाबर ग्लुकोज ने आज बीपी मेमोरियल इण्डियन पैरा जूडो अकादमी, हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के अलावा दिनेश कुमार, मैनेजर, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, डाबर इण्डिया लिमिटेड, मुनव्वर अंजार, वर्ल्ड जूडो रेफ्री, ओलम्पियन व प्रशिक्षक अकरम शाह, प्रशिक्षक आयशा व सुषमा अवस्थी मौजूद थे। सत्र के दौरान एथलीट्स को बताया गया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने प्रदर्शन को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। डाबर ने इस एकेडमी के टॉप एथलीट्स कोकिला, गुलशन, देवेन्द्र व आदिल को सम्मानित भी किया। इससे पहले एनर्जी सैशन के दौरान युवा एथलीट्स को बताया गया कि खेल में अच्छा परफोर्मेन्स देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। इस सत्र के दौरान उन्हें बताया गया कि वे किस तरह अपने स्टैमिना और धैर्य में सुधार ला सकते हैं, जो एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। डाबर इंडिया लिमिटेड के अमित गर्ग, मार्केटिंग हैड- हेल्थ सप्लीमेंट्स, ने कहा कि 'हमें खुशी है कि युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए हम 'एनर्जाइज इंडिया' कैंपेन लेकर आए हैं। यह कैंपेन उन्हें अपने खेल में एनर्जी के साथ बेहतरीन परफोर्मेन्स देने के लिए प्रेरित करेगा। डाबर एथलीट्स, खेल प्रशंसकों और उन लोगों के लिए परफेक्ट ब्राण्ड है जो एक्टिव लाईफस्टाईल जीना चाहते हैं। डाबर ग्लुकोज इंस्टेन्ट एनर्जी देता है, ऐस में यह खासतौर पर उन एथलीट्स के लिए बेहतरीन है जो फिजिकल एक्टीविटीज करते हैं। श्री अमित गर्ग, ने आगे कहा 'डाबर ग्लुकोज हमेशा से युवाओं को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित करता रहा है। युवा एथलीट्स के साथ यह साझेदारी इसी लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। अपने ताजगी से भरे स्वाद और इंस्टेन्ट एनर्जी के साथ डाबर ग्लुकोज युवा एथलीट्स की एनर्जी बनाए रखने के लिए बेहतरीन विकल्प है, जिसे अपनाकर वे अपना सर्वश्रेष्ठ परफोर्मेन्स दे सकते हैं।

स्पोर्ट्स स्टेडियम की जर्जर हालत पर डीएम सख्त 30 जून तक सभी काम पूरे करने के निर्देश

प्रतापगढ़, चसं। जिले के जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई गंभीर खामियां सामने आईं। यूपीपीसीएल द्वारा बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। डीएम ने एई गणेश प्रसाद को 15 मई तक यह काम पूरा करने का निर्देश दिया। गुणवत्ता में कमी मिलने पर एफआईआर दर्ज करने की चेतावनी दी गई। स्टेडियम की दर्शक दीर्घा की स्थिति अत्यंत खराब मिली। डीएम ने आरईडी और पीडब्लूडी के अधिशासी अभियंता को नया एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। कार्यालय की टूटी खिड़कियों की जालियों की मरम्मत और रंगाई-पुताई के आदेश दिए। बैडमिंटन हॉल की स्थिति भी चिंताजनक पाई गई। छत की मरम्मत और लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। फर्श की पुरानी लकड़ी को बदलने को कहा गया। टेबल टेनिस और कुश्ती हॉल में भी कई कमियां मिलीं। सभी मरम्मत कार्य 15 अप्रैल से प्रारंभ कर 30 जून तक पूरे करने के आदेश दिए गए। निगरानी समिति को हर 15 दिन में रिपोर्ट देनी होगी। स्टेडियम के विस्तार के लिए बगल में स्थित कृषि विभाग की खाली जमीन का भी निरीक्षण किया गया। एसडीएम सदर को नजरी नक्शा के साथ प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिम में एसी नहीं होने पर रायफल क्लब से एसी लगवाने के आदेश दिए। आरईडी के अधिशासी अभियंता को स्टेडियम में 8 कमरे और 4 बैरक बनाने के निर्देश दिए गए।

रुपए ने लगाई दौड़, भारतीय करेंसी के आगे झुका डॉलर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने और मजबूत घरेलू आंकड़ों के समर्थन से रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 77 पैसे मजबूत होकर 83.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अप्रैल में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सर्वाधिक 2.37 लाख करोड़ रुपए रहा जो घरेलू मांग की बेहद स्थिति को दर्शाता है। इसके अलावा, विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी भावनाओं को और बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में कोई भी वृद्धि तेजी से लाभ को उलट सकती है और रुपए पर दबाव डाल सकती है जैसा कि पिछले भू-राजनीतिक प्रकरणों में हुआ था। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.98 पर खुला। फिर बढ़त के साथ 83.77 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 77 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर बंद हुआ था। 'महाराष्ट्र दिवसश् के अवसर पर बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.97 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.45 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 722.82 अंक की बढ़त के साथ 80,965.06 अंक पर, जबकि निफ्टी 203.70 अंक चढ़कर 24,537.90 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 50.57 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वहीं माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़कर अबतक के उच्च स्तर करीब 2.37 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह मजबूत आर्थिक गतिविधियों और कंपनियों के मार्च के अंत में खातों के मिलान को दर्शाता है। बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई।

दिल्ली को मिली नई 400 इलेक्ट्रिक बसें, नाम रखा गया देवी

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली को 400 नई इलेक्ट्रिक बसों का तोहफा दिया। झंडेवालान, कालकाजी और छतरपुर की देवी माँ के आशीर्वाद से इस मौके पर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त, स्मार्ट और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था देने का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ये बसें सिर्फ शुरुआत हैं, बल्कि दिल्लीवासियों को साफ हवा और आसान यातायात देने की दिशा में एक अहम कदम हैं। दिल्ली के प्रदूषण में 45ः हिस्सा गाड़ियों का है। इसे कम

करने के लिए सरकार अगले साल तक पूरी तरह इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाने की कोशिश करेगी। इन नई बसों का नाम देवी रखा गया है, जो दिल्ली की संस्कृति को दर्शाएंगी और ये विश्वास दिलाएंगी कि जैसे देवी माँ ने हमेशा राजधानी की रक्षा की है, वैसे ही ये बसें भी दिल्ली को प्रदूषण से बचाएंगी। दिल्ली सरकार जल्द ही एक मजबूत इलेक्ट्रिक वाहन नीति लाने वाली है, जिससे न सिर्फ पब्लिक ट्रांसपोर्ट बल्कि निजी गाड़ियाँ भी इलेक्ट्रिक विकल्पों को अपना सकें।

इसका मकसद दिल्ली की हवा को साफकरना और ट्रैफिक जाम को कम करना है। सीएम रेखा गुप्ता ने ट्रैफिक में फंसने का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, आज जब मैं ट्रैफिक में फंसी, तो मुझे एहसास हुआ कि आम लोगों को कितनी परेशानी होती है। मोदी जी कहते हैं, जब तक जनता तकलीफ में है, हमें चैन से सोने का हक नहीं है।

सेंसेक्स 259 अंक बढ़त के साथ हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी शुक्रवार, 2 मई को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 259 ज्यादा चढ़कर 80,501 के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी में भी 12 अंक की तेजी रही, ये 24,346 के स्तर पर क्लोज हुआ। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 900 चढ़कर 81,100 के ऊपर पहुंच गया था, जबकि निफ्टी में भी 200 अंक की तेजी थी।

इटली में छुट्टियां मना रहीं अनन्या पांडे ने शेयर की तस्वीरें

अक्षय कुमार और आर माधवन स्टारर फिल्म केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 70 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म की अभिनेत्री अनन्या पांडे इटली में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिसमें वह खूब मस्ती करती दिखीं। इंस्टाग्राम पर शेयर तस्वीरों में अनन्या पांडे आइसक्रीम खाती और बोट पर राइड करती नजर आईं। शेयर की गई अन्य तस्वीरों में से एक में अनन्या ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। उन्होंने हाथ में हैंड बैग कैरी किया हुआ है और बालों को खुला छोड़ा है।

बैकग्राउंड में झील और पहाड़ के खूबसूरत नजारे देखने को मिल रहे हैं। अन्य तस्वीरों में टेस्टी डिशेज, होटल और उनके आउटफिट्स के कलेक्शन की भी तस्वीरें शामिल हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। फैंस उनके इस पोस्ट को लाइक तो कर ही रहे हैं, साथ ही कमेंट्स भी कर रहे हैं। इससे पहले अनन्या ने तस्वीरें शेयर की थीं, जिस पर अमिताभ बच्चन की नातिन और उनकी खास दोस्त नव्या नवेली नंदा ने भी कमेंट किया था। नव्या ने अनन्या की तस्वीरों पर कमेंट में प्यार का इजहार करने वाले इमोजी का इस्तेमाल किया। अभिनेत्री ने इससे पहले भी इटली से कई तस्वीरें इंस्टा पर शेयर की थीं, जिसमें वह बेहद कूल और स्टाइलिश लुक में नजर आईं। तस्वीरों में उन्होंने येलो कलर की फ्लेयर वाली ड्रेस पहनी हुई थी। वह बोट की सवारी भी करती दिखीं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कुछ मीठी इटैलियन लाइफ जीते हुए। अनन्या इन दिनों केसरी चौप्टर 2 की सफलता का जश्न मना रही हैं। उन्होंने साल 2016 में करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म पर्दे पर हिट रही। इसके बाद वह पति पत्नी और वो, खाली पीली, गहराइयां, लाइगर, ड्रीम गर्ल 2, खो गए हम कहां, जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज कॉल मी बे के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर अनन्या पांडे ने अपनी सोशल मीडिया पर अपनी स्टोरीज पर 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' की एक खास तस्वीर शेयर की। साथ ही उन्होंने एक लंबा नोट लिखकर फिल्म के कलाकार आदर्श गौरव और मुस्कान जाफरी की प्रशंसा की। अनन्या ने फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव की एक तस्वीर को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसमें आदर्श गौरव और विनीत कुमार नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, फिल्म देखना जादू जैसा है। दर्शक ताली बजाते हैं, सीटी मारते हैं, हंसते हैं और फिल्म के हर पल को महसूस करते हैं। अनन्या ने अपने फैंस से भी सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव को थिएटर में जाकर फिल्म देखने की गुजारिश की। साथ ही अनन्या ने उन्होंने अपने दोस्त आदर्श गौरव की तारीफ की और लिखा, मेरे दोस्त - आप वाकई कुछ भी और सब कुछ कर सकते हैं गौरव आर्दश। साथ ही, अपनी को-स्टार मुस्कान जाफरी के लिखा, बहुत ज्यादा प्यार। अनन्या ने फिल्म के सभी कलाकारों और टीम को बधाई दी। इस फिल्म को रीमा कागती ने डायरेक्ट किया है और वरुण ग्रोवर ने लिखा है। इसमें आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, विनीत कुमार सिंह जैसे कई कलाकार हैं। फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने बनाया है। यह अभी सिनेमाघरों में चल रही है। वहीं, काम की बात करें तो अनन्या पांडे ने हाल ही में अपनी नई फिल्म केसरी 2 का पहला लुक भी शेयर किया है। इस फिल्म में अनन्या के अलावा अक्षय कुमार और आर माधवन भी नजर आएंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी। बता दें कि अभिनेत्री अनन्या पांडे पिछले काफी समय से फैशन इंडस्ट्री में सक्रिय हैं और एक के बाद एक नए मुकाम हासिल कर रही हैं।

अनन्या ने अपने सफर में एक और मील का पत्थर जोड़ लिया है। 26 वर्षीय अभिनेत्री ने अपना पहला वोग कवर हासिल कर लिया है। इस वोग कवर में अभिनेत्री पहले से कहीं ज्यादा स्टाइलिश और आकर्षक लग रही हैं। कवर के लिए, अनन्या ने हलके नीले रंग का सिल्क शिफॉन का रफल्ड केप टॉप पहना था, जिसमें नकली पंख लगे थे। अपने टॉप के सॉफ्ट टेक्सचर को संतुलित करते हुए, अनन्या ने इसे चैनल के स्ट्रक्चर्ड ब्लैक बरमूडा लेदर शॉर्ट्स के साथ पेयर किया। हाई-वेस्ट डिज़ाइन, चमकदार बटन क्लोज़र से सजी, उसके फिगर को गले लगाती हुई, हवादार टॉप के साथ एक बोल्ड कंट्रास्ट जोड़ती है। लुक को और बेहतर बनाने के लिए, उसने स्टेटमेंट स्वारोवस्की इयररिंग्स और चोकर नेकलेस के साथ एक्सेसरीज पहनीं। अपने खूबसूरत लुक के लिए अनन्या ने अपने चीकबोन्स को शिमरी हाइलाइटर और सॉफ्ट ब्लश से हाईलाइट किया। उनके आई मेकअप में पतली पलकें, विंग्ड आईलाइनर और सूक्ष्म ब्राउन टोन थे, जबकि न्यूड लिप्स ने पॉलिश फ़िनिश को पूरा किया। अपने बालों को एक स्लीक, साइड-पार्टेड पोनीटेल में स्टाइल करके, वह हर तरह से आधुनिक फैशन आइकन लग रही थीं। बता दें कि अनन्या पांडे ने साल 2019 की 'स्टूटेंड ऑफ द ईयर 2' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई बिग स्टारर फिल्मों में काम किया। एक्ट्रेस का नाम ओटीटी पर डेब्यू करने वाली स्टार्स की लिस्ट में भी शामिल हो चुका है। उन्होंने अमेज प्राइम की सीरीज 'कॉल मी बे' से ओटीटी पर अपना लक आजमाया। वेब सीरीज में उनके अभिनय को खूब सराहना भी मिली। फिल्मी दुनिया के अलावा एक्ट्रेस पर्सनल लाइफ के कारण भी सुर्खियों में रहती हैं। चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे का नाम लंबे समय तक आदित्य रॉय कपूर के साथ जोड़कर देखा गया। अब माना जा रहा है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है।

> अनन्या पांडे इटली में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, जिसमें वह खूब मस्ती करती दिखीं। इंस्टाग्राम पर शेयर तस्वीरों में अनन्या पांडे आइसक्रीम खाती और बोट पर राइड करती नजर आईं। शेयर की गई अन्य तस्वीरों में से एक में अनन्या ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं।

इन दिनों अनन्या का नाम जाने-माने मॉडल वॉकर ब्लैंको के साथ जुड़ रहा है। कहा जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिलेशनशिप की अफवाहों के बीच लॉन्ग-डिस्टेंस पर अनन्या का बयान चर्चा का हिस्सा बन गया है। फिल्मफेयर को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर बात की। उनका मानना है कि यह रिलेशनशिप काफी सही है। दरअसल, इसमें पार्टनर को पर्सनल स्पेस ज्यादा मिलता है। अनन्या ने कहा, मुझे लगता है कि 45 दिनों की दूरी काफी है। मुझे यह बुरा बिल्कुल भी नहीं लगता है। दो महीने अपने पार्टनर से दूर रहना सही है, क्योंकि दूरी दिल को और करीब लाती है। आदित्य और अनन्या का रिश्ता किसी से छिपा नहीं है। दोनों को अक्सर एक-साथ स्पॉट किया जाता था। अब हालिया इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने आदित्य का नाम लिए बगैर बता दिया है कि वह पिछले रिश्ते से संभल चुकी हैं। काम के मोर्चे पर बात करें तो अनन्या को 2024 में आई फिल्म सीटीआरएल में देखा गया था। इसमें उनके अभिनय की भी खूब तारीफ की गई थी। इसके बाद अब उन्हें चांद मेरा दिल में देखा जाएगा। इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। अनन्या पांडे के लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप पर दिए गए बयान को सीधे तौर पर वॉकर के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। एक्ट्रेस के फैंस को लग रहा है कि यह उन्होंने अपने रिलेशनशिप के संदर्भ में ही कहा है। वॉकर के बारे में बता दें कि वह पेशे से एक मॉडल हैं, जो मुकेश अंबानी के एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। दोनों की पहली मुलाकात के बारे में कहा जा रहा है कि अनन्या-वॉकर अनंत अंबानी की शादी में मिले थे। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की अफवाहें लगातार सामने आ रही हैं। फिल्मी दुनिया में एक मुद्दा हमेशा गरमाया रहता है, वो हीरो-हीरोइन की फीस में एक बड़ा अंतर। एक फिल्म में चाहे किसी हीरोइन का कितना ही अहम रोल क्यों न हो, फीस हीरो से कम ही मिलती है। आज के समय में थोड़ा बदलाव आया है, लेकिन फिर भी ज्यादातर मामले में हीरो को हीरोइनों से ज्यादा ही फीस मिलती है। बॉलीवुड में फीस को लेकर पक्षपात में कई अभिनेत्रियां अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं, अब एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने इसको लेकर अपना रिएक्शन दिया है। :: एजेंसी

बेटी वामिका के बर्थडे से विरुष्का की अनसीन तस्वीरें, प्यार की बाहों में भरे दिखे विराट

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने गुरुवार 1 मई को 37वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। यह खास दिन तब और भी भावुक और यादगार बन गया जब विराट कोहली ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाली बर्थडे विश शेयर की।उन्होंने अपनी पोस्ट में वमिका के जन्मदिन की एक थ्रोबैक तस्वीर साझा की, जिसमें परिवार की प्यारी झलक दिखाई दे रही थी। तस्वीर में अनुष्का प्यार विराट कोहली की बाहों में कैद दिखीं। उनके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान देखने को मिल रही है। लुक की बात करें तो अनुष्का ने रियल वेवस्टोरी ब्रांड का सिंपल और प्लेन व्हाइट कोर्ड सेट पहना था। इसमें स्लीवलेस कॉटन गाज टॉप और हाई वेस्टड शॉर्ट्स थे। एक्ट्रेस ने इसके साथ कोई ज्यूलरी पेयर नहीं किया है। वहीं विराट ने मोनोक्रोम लुक अपनाया। क्रीम शर्ट और पैंट में विराट हैंडसम दिखे।

दूसरी तरफ नीति ने भी अनुष्का को विश करने के लिए वामिका के बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीर चुनी। तस्वीरों में एक धूप भरा, गुब्बारों से सजा हुआ खूबसूरत सेटअप नजर आ रहा है, जिसमें वमिका का जन्मदिन बेहद प्यारे अंदाज में मनाया गया। तस्वीर में अनुष्का शर्मा और विराट कोहली एक-दूसरे के बेहद करीब खड़े नजर आ रहे हैं, जहां विराट ने बेहद प्यार से अपना हाथ अनुष्का के कंधे पर रखा हुआ है। इस प्यारी तस्वीर में उनके साथ नीति मोहन, उनके पति निहार पांड्या और उनका बेटा भी नजर आ रहे हैं।सभी के चेहरों पर मुस्कान थी। वमिका के जन्मदिन की तस्वीरों में बैकग्राउंड में नजर आ रही सजावट (डेकोर) ने इस जश्न में एक खास पर्सनल टच जोड़ दिया। एक खूबसूरत नेम बोर्ड जिसे रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। पूरे माहौल को बेहद गर्मजोशी और अपनापन देने वाला बना रहा।यह सादगी भरी लेकिन दिल से सजी सजावट इस बात को दर्शा रही थी कि यह दिन परिवार के लिए कितना महत्वपूर्ण और खास था। :: एजेंसी

शहाना गोस्वामी ने करवाया न्यूड फोटोशूट कैमरे की तरफ बैक कर फ्लॉन्ट किया टैट

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी, जो 'रॉक ऑन!!' जैसी फिल्मों में दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार कारण है उनका हद से ज्यादा बोल्ड और आत्मविश्वास से भरा एक न्यूड फोटोशूट, जिसे उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। उनकी यह तस्वीर तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रही है और इस पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।शहाना ने यह फोटोशूट फ्रीलांस फोटोग्राफर टियाना कामटे के साथ मिलकर किया है, जो खासकर न्यूड फोटोग्राफी के लिए जानी जाती हैं। इस फोटोशूट की एक तस्वीर को गुरुवार की शाम शहाना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। फोटो में वह एक लकड़ी की कुर्सी पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। वह कैमरे की ओर उनकी पीठ पोज दे रही हैं। इस दौरान वह बिना कपड़ों के बेहद बोल्ड अवतार में नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनकी पीठ पर बना एक टैटू भी दिखाई दे रहा है। तस्वीर पोस्ट करते ही यह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई। कई लोगों ने इस तस्वीर को आत्मविश्वास और कला का प्रतीक बताया, वहीं कुछ ने इस पर सवाल भी उठाए। एक यूजर ने कमेंट किया-यह आत्मविश्वास और सुंदरता की बोल्ड अभिव्यक्ति है। वहीं एक अन्य ने लिखा-फोटोग्राफी जमे हुए समय की कला है3 संवेदनाओं को कैद करने की क्षमता। हालांकि, कुछ ने यह भी लिखा लोग कब समझेंगे कि नग्नता सिर्फकला नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब टियाना कामटे ने किसी सेलेब्रिटी के साथ इस तरह का फोटोशूट किया हो। इससे पहले कुबरा सैत और रिताशा राठौर भी उनके साथ न्यूड फोटोग्राफी में हिस्सा ले चुकी हैं। शहाना गोस्वामी को 'हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'रॉक ऑन!!', 'फ़िराक', 'मिडनाइट्स चिल्ड्रन', 'हीरोइन' और 'गली गुलियां' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें 'संतोष' और 'डिस्पैच' में देखा गया था। :: एजेंसी

अधर्म के खिलाफ कब उठाना चाहिए शस्त्र, गीता में बताए गए हैं युद्ध के 4 सिद्धांत

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले ने एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल बना दिया है। पाकिस्तान की इस कायराना हरकत की न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। भारत अब आतंक का समर्थन करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए तैयारियों में जुट गया है। वर्तमान परिस्थितियों को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो आने वाले समय में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति बन सकती है।अगर हम इन हालातों को धार्मिक दृष्टिकोण से देखें, तो श्रीमद्भगवद गीता में युद्ध की परिस्थितियों और न्याय के लिए युद्ध करने की बातें बहुत विस्तार से बताई गई हैं। आइए, जानते हैं कि भगवद गीता के अनुसार युद्ध कब करना चाहिए, और इसके क्या सिद्धांत हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में स्पष्ट रूप से बताया है कि युद्ध कभी भी पहला विकल्प नहीं होना चाहिए। युद्ध से पहले विनाश होता है और सृजन बाद में आता है। इसलिए युद्ध शुरू में व्यर्थ लगता है क्योंकि उसके उद्देश्य की प्राप्ति में समय लगता है। किसी भी युद्ध की स्थिति आने से पहले आपसी बातचीत यानी संवाद का होना बहुत आवश्यक है। संवाद के दौरान दोनों पक्षों को खुले मन से अपनी-अपनी बात कहनी और एक-दूसरे की बात सुननी चाहिए। यदि दोनों पक्ष मिलकर युद्ध की स्थिति टालने का प्रयास करें, तभी शांति की संभावना बनती है।भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि जब आपसी बातचीत से कोई समाधान ना निकले, तब युद्ध एकमात्र रास्ता बचता है। इसके अलावा जब हर जगह अन्याय, अधर्म और धोखा फैला हो, तब भी परिस्थिति को बदलने के लिए युद्ध जरूरी हो जाता है। गीता में न्याय के लिए लड़े गए युद्ध को धर्मयुद्ध कहा गया है। धर्मयुद्ध का उद्देश्य सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि सत्य और न्याय की स्थापना करना होता है। हर इंसान को अन्याय के खिलाफ खड़ा होकर धर्म की रक्षा करनी चाहिए। यही सच्चा युद्ध है। श्रीमद्भगवद गीता में कहा गया है कि किसी भी योद्धा को युद्ध में उतरने से पहले, परिस्थिति का पूरा ज्ञान, शत्रु की ताकत और चालों की समझ, अपनी शक्तियों का सही आकलन बहुत जरूरी है। अगर यह जानकारी अधूरी हो, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। अभिमन्यु के पास चक्रव्यूह में प्रवेश करने का ज्ञान तो था, लेकिन बाहर निकलने का तरीका नहीं पता था। इस आधे-अधूरे ज्ञान का शत्रु पक्ष ने फायदा उठाया और वीर अभिमन्यु युद्ध में हार गए। इसलिए युद्ध में जाने से पहले सम्पूर्ण ज्ञान और तैयारी अनिवार्य है। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि अगर कोई व्यक्ति अन्याय होते देखता है लेकिन मौन रहता है, तो इससे अत्याचार करने वालों का हौसला बढ़ता है। इसलिए हर अन्यायी के मन में दंड का भय होना चाहिए। कई बार युद्ध को टालने के लिए या भविष्य में युद्ध की स्थिति से बचने के लिए भी शत्रु पक्ष के मन में डर बनाए रखना जरूरी होता है। :: एजेंसी

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

अदालत ने कांग्रेस

निदेशालय (ईडी) ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था। ईडी ने कहा कि शिकायत में कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों द्वारा एक ''आपराधिक साजिश को उजागर किया गया है, जिसमें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, उनके सांसद पुत्र राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के अलावा अन्य नेताओं और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन शामिल हैं। इन सभी पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों का गलत तरह से अधिग्रहण कर धन शोधन में शामिल होने का आरोप है। सोनिया और राहुल यंग इंडियन के शेयरधारक हैं और दोनों के पास 38-38 प्रतिशत शेयर हैं।

राज्य में टैक्स

वर्ष 2025-26 के लिए 1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नए वित्तीय वर्ष के पहले महीने अप्रैल में 9,986.15 करोड़ का टैक्स मिला। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ जोन जैसे गौतमबुद्धनगर, अयोध्या, लखनऊ द्वितीय, अलीगढ़, कानपुर प्रथम और झांसी ने अप्रैल में 60 प्रतिशत से अधिक लक्ष्य अर्जित कर सराहनीय काम किया है। लखनऊ ने 71.66 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। वहीं कुछ जोन और कॉरपोरेट सर्किल में अपेक्षित संग्रह न होने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाराणसी, इटावा, गोरखपुर, कानपुर द्वितीय और आगरा को और मेहनत करने की जरूरत है। इसी तरह मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर और जालौन के कुछ सेक्टरों में भी सुधार के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एडिशनल कमिश्नरों से भी संवाद किया और उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपलब्धता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अधिकारी तकनीक को तेजी से अपनाएं। आईटी टूल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा एनालिटिक्स का उपयोग कर न केवल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जाए, बल्कि करदाताओं को सरल और भरोसेमंद अनुभव भी दें।

तकनीकी और व्यावसायिक

शामिल हैं। इन संस्थानों में 2.68 लाख से अधिक प्रवेश क्षमता उपलब्ध है, जिनमें 1.15 लाख से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। विभाग द्वारा डिजिटल कक्षाएं, आधार आधारित बायोमैट्रिक उपस्थिति, उद्योग-संलग्न पाठ्यक्रम, तथा फ्रंटियर टेक्नोलॉजी जैसे ड्रोन टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग को पाठ्यक्रमों में समाहित किया गया है। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में 39 नए राजकीय पॉलीटेक्निक स्थापित किए गए हैं तथा 13,000 से अधिक शिक्षकों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री को व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 324 राजकीय एवं 2982 निजी आईटीआई प्रदेश में संचालित हैं। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से 212 राजकीय आईटीआई को आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं कुशल प्रशिक्षकों से सुसज्जित कर उन्नत बनाया गया है। इन संस्थानों में दीर्घकालिक ट्रेड्स के साथ-साथ स्वल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। वर्ष 2024-25 में लगभग 1.25 लाख प्रशिक्षुओं को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत अब तक 30,000 से अधिक छात्रों द्वारा आवेदन किया जा चुका है। यह भी अवगत कराया गया कि सीएसआर फंड के माध्यम से राज्य के 37 से अधिक जनपदों में प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों द्वारा आधुनिक कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। साथ ही, मासिक प्लेसमेंट डे के आयोजन से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने में सफलता मिली है। एनपीएस और सीएमएपीएस योजनाओं के अंतर्गत पिछले पाँच वर्षों में 2.67 लाख से अधिक अप्रेंटिस नियुक्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा को उद्योगों से और अधिक गहराई से जोड़ा जाए तथा प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण के साथ एक निश्चित अवधि की औद्योगिक इंटर्नशिप सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को तकनीकी रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। शिक्षा केवल प्रमाण-पत्र प्राप्ति का माध्यम न होकर एक व्यवहारिक, कौशलपूर्ण एवं उपयोगी प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी एवं सुदृढ़ नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और प्रत्येक युवा को उसके कौशल के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि श्आत्मनिर्भर भारतश् की परिकल्पना को साकार किया जा सके।

थरूर की मौजूदगी

पीएम मोदी ने कहा, अमरावती सिर्फ एक शहर नहीं है, यह एक शक्ति है। एक ऐसी शक्ति जो आंध्र प्रदेश को आधुनिक बनाएगी। पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलुगू देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे चंद्रबाबू नायडू जी ने मुझे टेक-सेवी कहा. लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री बना, तो मैंने हैदराबाद में उनके काम करने के तरीके को बहुत ध्यान से देखा और उनसे बहुत कुछ सीखा. आज मुझे वह सब लागू करने का मौका मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू भविष्य की तकनीक और बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट्स को संभालने में माहिर हैं, उन्होंने कहा, भविष्य की तकनीक हो या बड़े प्रोजेक्ट्स, चंद्रबाबू नायडू इसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं. इसलिए हमें हर काम सबसे बेहतरीन तरीके से और सबसे कम समय में करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव को भी श्रद्धांजलि दी और कहा, एनटीआर ने एक समृद्ध आंध्र प्रदेश का सपना देखा था, हमें मिलकर अमरावती और आंध्र प्रदेश को विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में बनाना है. एनटीआर का वह सपना हमें मिलकर साकार करना है, चंद्रबाबू नायडू, भाई पवन कल्याण, हमें यह करना ही है। प्रधानमंत्री ने बीते दस वर्षों में देश की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत आज विकास के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है. उन्होंने आंध्र प्रदेश में चल रहे रेलवे और सड़क परियोजनाओं का भी उल्लेख किया, पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है- मंडलों, शहरों और राज्यों के बीच कनेक्टिविटी का।

58 जिलों में

गए। जलभराव और रास्ते बाधित होने से आवागमन प्रभावित हुआ। कई क्षेत्रों की बिजली घंटों गुल रही। बुंदेलखंड के क्षेत्रों समेत सहारनपुर, लखीमपुर खीरी से लेकर हरदोई तक हल्की बारिश हुई। इस बीच बिजली गिरने और आंधी बारिश के कारण हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। शनिवार से यूपी में गरज-चमक के साथ बारिश के दायरे और तीव्रता में बढ़ोतरी के आसार हैं। पूर्वा और पश्चिमी हवाओं का समागम और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर शनिवार से पूरे प्रदेश में दिखेगा। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवाओं के असर से प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभाग में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी, बारिश, ओलावृष्टि के तहत संबंधित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने फिरोजाबाद में बिजली गिरने से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे कर राहत कार्यों पर नजर रखने और फसल नुकसान का आकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजने को कहा। आपदा से जनहानि और पशुहानि की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करने और घायलों के उपचार के निर्देश दिए। गाजियाबाद में तीन घंटे की आंधी बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। शहर में कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए। इससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। रास्ते बाधित हुए। मसूरी में बारिश के जलभराव के चलते एक कार गड्ढे में गिर गई। बारिश का पानी स्कूल में भर जाने के कारण प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की छुट्टी कर दी गई। मुरादनगर में बिजली गिरने से करीब 50 घरों के बिजली के उपकरण फुंक गए। हापुड़ में शुक्रवार सुबह आंधी और बारिश से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। देहात क्षेत्र में करीब 15 खंभे टूट गए और शहर और देहात क्षेत्र की करीब छह घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही।

100 विशेष न्यायालयों

में जांच की है लेकिन इनमें 1,739 मामलों में ही मुकदमे दर्ज किए हैं। इस दौरान एजेंसी ने विभिन्न मामलों से संबंधित 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।

मुख्यमंत्री से पूर्व

करके दी। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। दोनों के बीच खेल, युवाओं में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि और राज्य में खेल अवसंरचना के विकास जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कपिल देव का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान की भी खूब सराहना की। कपिल देव ने उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा की।

योगी सरकार ट्रांसजेंडर

मिलेगा, बल्कि एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य जांच, भोजन और मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसी आवश्यक सेवाएं भी दी जाएंगी। इसके अलावा ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश सरकार ने हर जनपद में ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल की स्थापना की है। जिलाधिकारी की देखरेख में यह सेल संचालित हो रही है। अब तक 1,067 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो रही है। साथ ही 248 ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जिससे वे शिक्षा की मुख्यधारा में आकर आत्मनिर्भर बन सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

राज्यपाल ने अवध यूनिवर्सिटी की जानी प्रगति रिपोर्ट

विश्वविद्यालय में होगी 24 घंटे बिजली व्यवस्था, तालाब का भी होगा निर्माण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिसर की विकास परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। यह बैठक विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन स्थित सभागार में आयोजित हुई, जिसमें जिला प्रशासन एवं शासकीय एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में तालाब निर्माण व सौंदर्यीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और बताया कि इस परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को कार्यदायी एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। राज्य विश्वविद्यालय में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र फीडर की स्थापना कार्य की समीक्षा की और उसे जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में पेयजल आपूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा सीवर लाइन एवं एसटीपी निर्माण की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कार्य में गति लाने के निर्देश दिए।छात्रावासों में छात्रों की सुविधा हेतु अलमारी निर्माण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल ने संबंधित एजेंसी से शीघ्र कार्य प्रारंभ करने को कहा। ईडीपी बेसमेंट के जीर्णोद्धार हेतु यूपीआरएनएसएस को कार्यदायी एजेंसी बनाया गया है। राज्यपाल ने वाटर ट्रैफिकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ से स्थल निरीक्षण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्माणाधीन भवनों की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।बैठक में अपर मुख्य सचिव सुधीर एम. बोबडे, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, प्रो. संत शरण मिश्र, प्रो. एस. के. रायजादा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

- **राज्य विश्वविद्यालय में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र फीडर की स्थापना कार्य की समीक्षा की**

राज्यपाल ने किया अंतर कृषि विश्वविद्यालय खेल महोत्सव का उद्घाटन : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल शुक्रवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज पहुंची। तीन दिवसीय 22वीं अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। राज्यपाल ने कहा है कि शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना है तो खेलों को जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

खेल दो प्रकार के होते हैं दृ एक राजनीति का और दूसरा मैदान का। तय आपको करना है कि किस खेल में उतरना है। उन्होंने यह बात आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी क्रीड़ा परिसर में आयोजित 22वें अखिल भारतीय अंतर कृषि विश्वविद्यालयीय खेलकूद महोत्सव के शुभारंभ पर कही। राज्यपाल ने कहा कि जो खेलेगा वही खिलेगा, और जो खिलेगा वही देश को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें, क्योंकि यही शरीर और मन को स्वस्थ रखने का सबसे प्रभावी तरीका है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'खेलो इंडिया' योजना ने देश के लाखों युवाओं को एक नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि नियम से खेल को खेलना जीवन में अनुशासन और सफलता की सीख देता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं में 40: महिलाओं की भागीदारी को सराहा और बताया कि दीक्षांत समारोहों में 80: मेडल महिलाएं हासिल कर रही हैं, जो जहां गर्व की बात है वहीं पुरुषों को भी इस प्रतिस्पर्धा में और मेहनत करनी होगी।

राज्यपाल ने कहा कि जो युवा सेना में जाना चाहते हैं, उन्हें खेलों के माध्यम से खुद को तैयार करना चाहिए। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के इंटर कॉलेज स्तर तक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करें, ताकि भारत को सशक्त और सक्षम युवा मिल सकें। खेल महोत्सव का शुभारंभ कुलाधिपति ने मशाल प्रज्वलन और गुब्बारा उड़ाकर किया। सभी राज्यों से आई टीमों ने मार्च पास्ट कर राज्यपाल को सलामी दी। उद्घाटन के मौके पर 100 मीटर हीट दौड़ की प्रतियोगिता भी कराई गई। इस महोत्सव में देशभर के 24 राज्यों के 56 कृषि विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आयोजन का संयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. डी. नियोगी और क्रीड़ा प्रभारी डॉ. संजय पाठक कर रहे हैं। मंच संचालन डॉ. सीताराम मिश्रा ने किया।

देश-विदेश डायरी

पाकिस्तान ने भारत के वीजा रद्द फैसले पर दी प्रतिक्रिया, वाघा सीमा पर नागरिकों के लिए राहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने के भारत के फैसले के कारण वहां फंसे अपने नागरिकों के लिए वाघा सीमा के इस्तेमाल की अनुमति देना जारी रखेगा ताकि वे अपने देश लौट सकें। भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित अटारी-वाघा सीमा 30 अप्रैल तक खुली थी। इसे बृहस्पतिवार को बंद कर दिया गया। भारत सरकार द्वारा तय की गई समयसीमा समाप्त हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को करीब 70 पाकिस्तानी नागरिक अटारी सीमा पर कथित रूप से फंसे रह गए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए इस बात को स्वीकार किया कि बच्चों सहित पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में अटारी सीमा पर फंसे होने की रिपोर्ट है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''हमें मीडिया में आई उन खबरों की जानकारी है जिनमें कहा गया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक अटारी में फंसे हुए हैं। अगर भारतीय अधिकारी हमारे नागरिकों को अपनी सीमा पार करने की अनुमति देते हैं तो हम उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। प्रवक्ता ने कहा कि लौटने के इच्छुक पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भविष्य में भी वाघा सीमा खुली रहेगी। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के भारत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने चिकित्सकीय उपचार में बाधा पैदा होने एवं लोगों के अपने परिवारों से जुदा होने का हवाला देते हुए कहा, ''पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का भारत का फैसला गंभीर मानवीय चुनौतियां पैदा कर रहा है। पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किए जाने के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को 'भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया था। इसके तहत विभिन्न वीजा श्रेणियों के लिए भारत छोड़ने की अलग-अलग अंतिम तिथियां निर्धारित की गई थीं। दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) वीजा धारकों के लिए यह समयसीमा 26 अप्रैल थी और मेडिकल वीजा धारकों के लिए यह 29 अप्रैल थी। अन्य 12 श्रेणियों के वीजा के लिए अंतिम तिथि 27 अप्रैल थी। समयसीमा खत्म होने के बाद कोई भी भारत या पाकिस्तान की ओर से एक-दूसरे के देश में प्रवेश नहीं कर सका। भारत के इस कदम के बाद इस्लामाबाद ने भी वाघा सीमा चौकी को बंद कर दिया था और दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारतीयों को दिए गए वीजा रद्द कर दिए थे।

बिलावल ने भी माना इस्लामाबाद करता है गंदा काम! आखिर सच क्यों स्वीकारने लगे पाकिस्तानी नेता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने माना है कि उनके देश का अतीत आतंकी संगठनों को समर्थन देने का रहा है। भुट्टो की इस टिप्पणी से कुछ दिन पहले ही देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने कहा था कि इस्लामाबाद दशकों तक आतंकवाद को मदद देने का गंदा काम करता रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भुट्टो ने 1 मई को स्काई न्यूज से बातचीत में कहा, जहां तक रक्षा मंत्री (आसिफ) ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह कोई रहस्य है कि पाकिस्तान का एक अतीत है।भुट्टो ने पहले अफगान युद्ध के दौरान मुजाहिदीनों को आर्थिक मदद करने और समर्थन देने में पाकिस्तान की सक्रिय भूमिका की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, हमने पश्चिमी शक्तियों के साथ समन्वय और सहयोग से ऐसा किया। पाकिस्तान चरमपंथ की एक के बाद एक लहरों से गुजरा... हमने नुकसान उठाया।बिलावल भुट्टो जरदारी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष हैं, जो पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी का हिस्सा है। हालांकि, भुट्टो ने जोर देकर कहा कि हाल के वर्षों में स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, यह सच है कि यह (आतंकवाद) हमारे इतिहास का दुर्भाग्यपूर्ण हिस्सा है... लेकिन हमने इससे सबक भी सीखा है। उन्होंने बदले हालात के लिए आंतरिक सुधारों और सैन्य अभियानों को श्रेय दिया, खासकर अपनी मां बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद, जिससे चरमपंथी तत्वों को लेकर राज्य की नीति पलट गई। भुट्टो ने कहा, हमने हर दूसरे दिन आतंकवादी हमले देखे... पाकिस्तान ने इन समूहों के खिलाफगंभीर और सफल कार्रवाई की है। पिछले हफ्ते ही स्काई न्यूज के एक इंटरव्यू में आसिफसे पूछा गया था कि क्या पाकिस्तान का आतंकवादी संगठनों को समर्थन, ट्रेनिंग और फंडिंग देने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि ऐसा ही है। लेकिन उन्होंने इसका दोष पश्चिम पर डालने की कोशिश की। आसिफ ने साक्षात्कारकर्ता से कहा, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह शगंदा कामश् कर रहे हैं...यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफयुद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता। कुछ ही दिनों के अंतराल में ये दूसरा ऐसा मौका है जब पाकिस्तान के किसी शीर्ष नेता ने आतंकवाद को समर्थन देने की बात मानी है। यह पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर बढ़ते दबाव और भारत के आक्रमक रुख से उपजी घबराहट को जाहिर करता है। दोनों नेताओं के बयान दर्शाते हैं कि पाकिस्तान को यह डर सता रहा है कि भारत कहीं कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई न कर दे। आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल-पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों (ज्यादातर पर्यटक) पर अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं।

नगर आयुक्त की पार्षदों संग क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को जोन-1 के पार्षदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता नगर आयुक्त ने की। बैठक में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, जोन-1 के अधिशासी अभियंता किशोरी लाल और जोनल अधिकारी राजेश वर्मा उपस्थित रहे। इस बैठक में जोन-1 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों के पार्षदों ने भाग लिया। बशीतगंज-गणेशगंज वार्ड से पार्षद व उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, विक्रमादित्य महात्मा गांधी वार्ड से अमित चौधरी, रानी लक्ष्मीबाई वार्ड से शफीकुर्रहमान, जेसी बोस वार्ड से सैयद यावर हुसैन रेशु, गोलागंज वार्ड से मोहम्मद हलीम, मौलवीगंज वार्ड से मुकेश सिंह मोंटी, यदुनाथ सान्याल-नजरबाग वार्ड से कामरान बेग और मशकगंज-वजीरगंज वार्ड से मोहम्मद नईम इस बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान सबसे पहले नालों और नालियों की सफाई को लेकर चर्चा हुई। पार्षदों ने बताया कि कई क्षेत्रों में नालों की नियमित सफाई नहीं हो रही है जिससे जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाए ताकि बरसात से पहले सभी नाले साफ हो सकें। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में स्थित पार्कों की दयनीय स्थिति की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। कुछ पार्कों में घास की कटाई नहीं हो रही है, जबकि कुछ में झूले और अन्य सुविधाएं खराब स्थिति में हैं। नगर आयुक्त ने संबंधित विभाग को पार्कों की नियमित सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कई वार्डों में खराब स्ट्रीट लाइट्स को लेकर भी चर्चा हुई। पार्षदों ने बताया कि रात में अंधेरे के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नगर आयुक्त ने सर्वे कराकर जल्द से जल्द खराब स्ट्रीट लाइट्स को दुरुस्त करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा, पार्किंग की समस्या भी एक अहम मुद्दा रही। अधिकारियों को अनधिकृत पार्किंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।बैठक में रेंटल इनकम, मार्केट एरिया की सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान में लापरवाही और अतिक्रमण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पार्षदों ने शिकायत की कि कूड़ा समय पर नहीं उठाया जाता, जिससे नागरिकों को परेशानी होती है। वहीं, बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण बढ़ने से आमजन को आने-जाने में दिक्कत होती है। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संबंधित कर्मचारियों पर निगरानी रखी जाएगी और अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। बैठक के अंत में नगर आयुक्त ने सभी पार्षदों का धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर गंभीरता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम और पार्षदों का समन्वय ही शहर की बेहतरी का आधार है।

नगर आयुक्त ने किया बाढ़ पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण : नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार को शहर के बाढ़ पंपिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार, चीफइंजीनियर सिविल महेश वर्मा और इंजीनियरिंग ब्रांच के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने सबसे पहले बटलर पैलेस स्थित बाढ़ पंपिंग स्टेशन का जायजा लिया। उन्होंने वहां लगे उपकरणों और पंपों की स्थिति को देखा और उनकी कार्यक्षमता की जानकारी ली। इस पंपिंग स्टेशन में कुल छह पंप लगे हैं। इनमें बिजली से चलने वाले दो पंप 90 हॉर्सपावर के और दो पंप 150एचपी के हैं। इसके साथ ही डीजल से चलने वाले एक 63 एचपी और एक 35 एचपी के पंप भी मौजूद हैं। यह पंपिंग स्टेशन बरसात के मौसम में बटलर पैलेस कॉलोनी में जलभराव से निपटने के लिए बनाए गए पानी को गोमती नदी में पंप करने का कार्य करता है।

सांस्कृतिक कर्मियों, कलाकारों, संगीतकारों मंच संचालकों व कवियों का होगा पंजीकरण

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- **05 मई से 30 जून तक चलेगा पंजीकरण अभियान : जयवीर सिंह**

लखनऊ। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं उनके प्रदर्शन हेतु निरन्तर कार्य कर रहा है। संस्कृति विभाग के वेबसाइट पर प्रदर्शित कलाकार ई डायरेक्टरी में यूपी के संस्कृति कर्मी, विभिन्न विधाओं के अनुभवी, पारंगत एवं प्रशिक्षित अथवा उपाधि धारक कलाकार कला संगीत साहित्य की विभिन्न विधाओं लोकगीत, लोक नृत्य, शात्रीय-उपशात्रीय गायन, वादन-नृत्य सुगम संगीत, कठपुतली, जादू, रामलीला, रासलीला, भजन, कृर्तन, गजल आदि आंचलिक बोलियों तथा हिन्दी व उर्दू के कवि एवं शायर, पंजीकरण करा सकते हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कलाकार ई-डायरेक्टरी में पहले से पंजीकृत कलाकार, वर्तमान तथा भवष्यि में पंजीकृत होने वाले कलाकारों को संस्कृति विभाग द्वारा ग्रेड-1, ग्रेड-2 व ग्रेड-3 तीन श्रेणियों उनके अनुभव, दक्षता, कार्यकुशलता एवं विषय प्रदर्शन के आधार पर वर्गीकृत किया जायेगा। इस वर्गीकरण का आधार उनका मानदेय होगा। वर्गीकरण हेतु भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा गठित विषय विशेषज्ञों की समिति एवं संस्कृति विभाग द्वारा निदेशक संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा आडीशन के माध्यम से किया जायेगा। कलाकारों,कवियों के पंजीकरण हेतु यह विशेष अभियान 5 मई से 30 जून तक चलाया जायेगा। जुलाई में आडीशन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी। बेसिक पंजीकरण वर्ष भर चलता रहेगा। परन्तु वर्गीकरण हेतु आडीशन त्रैमासिक होगा। संस्कृति विभाग द्वारा पंजीकृत कवियों, कलाकारों को कार्यक्रमों प्रदर्शन हेतु आमंत्रित किया जायेगा। कलाकार कवि अपना पंजीकरण संस्कृति विभाग की वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं।

कल्चरल पॉर्टनर के पंजीकरण हेतु दिशा-निर्देश जारी : उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आम जनता खासतौर से युवाओं एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा समस्त प्रदेश में बड़े स्तर पर कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से आयोजित किये जाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रायोजित किये जाने के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। प्रदेश की संस्कृति प्रदर्शित किये जाने हेतु विभाग में पंजीकृत कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जाने पर कलाकारों को प्रायोजित किया जायेगा।

प्रायोजन के अंतर्गत संस्कृति कर्मियों का मानदेय, नियत प्रवास व आवास मदों में सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रायोजित किये जाने हेतु ऐसे विभिन्न सार्वजनिक उद्यम, प्राधिकरण सरकारी अथवा गैर-सरकारी संस्था संगठन नगर निकाय पंचायतीराज संस्थाएं संस्थान विश्वविद्यालय तथा शैक्षिक संस्थाएं आदि जो भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु 'नो प्रॉफिट एण्ड नो लॉस' पर कार्य कर रही हैं, उनके आयोजनों-मेले, पर्व, त्योहार, वार्षिक उत्सव, कांफ्रेंस, सेमिनॉर तथा उत्सवधर्मिता से जुड़े हुए कार्यक्रम आदि जिनमें देश-विदेश के लोग उपस्थित हों, आयोजन कॉमर्शियल उद्देश्य का न हो उनमें संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की संस्कृति प्रदर्शित किये जाने हेतु विभाग में पंजीकृत कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जाने पर कलाकारों को प्रायोजित किया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रायोजन हेतु प्रत्यके माह के प्रथम सप्ताह में निदेशक, संस्कृति की अध्यक्षता में बैठक आहूत की जायेगी एवं प्रस्तुतिकरण हेतु कलाकारों आदि का चयन किया जायेगा। आवेदनों को मेल अथवा भौतिक रूप से बैठक के दिनांक से 15 दिवस पूर्व संस्कृति निदेशालय में उपलब्ध कराना होगा।

इको टूरिज्म संभावनाओं से प्रभावित हुए अमेरिका, जर्मनी के टूर आपरेटर : उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलेपमेंट बोर्ड ने नई दिल्ली स्थित एक होटल में 01 और 02 मई को आयोजित ट्रेज इंडिया-2025 में हिस्सा लिया। यहां यूके, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के तथा भारत के महत्वपूर्ण टूर-ट्रेवेल आपरेटर्स के साथ यूपी की इको टूरिज्म संभावनाओं पर मंथन हुआ, जिससे आगंतुक प्रभावित हुए।

आगन्तुकों ने बुंदेलखंड में विशेष रुचि दिखाई। इसका राज्य के पर्यटन में सकारात्मक असर देखने को मिलेगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटन में देश में पहले स्थान पर है। विदेशी पर्यटन में भी यह उपलब्धि हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें ट्रेज इंडिया महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। इस दो दिवसीय आयोजन में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर, 80 डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियां, 50 घरेलू ट्रैवल एजेंट्स, 40 लक्जरी डोमेस्टिक ट्रैवल एजेंट्स, 80 विशेष इनबाउंड ट्रैवल कंपनियों के साथ प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आदि हिस्सा लिए। उत्तर प्रदेश के पर्यटन उद्यमियों के लिए एक उत्कृष्ट मंच है। उभरते हुए पर्यटन स्थलों, अनुभवों और बुटीक प्रॉपर्टीज को प्रदर्शित किया गया। प्लांटर्स बंगला प्रयागराज, माय मॉम्स विलेज बस्ती, महमूदाबाद हाउस- लखनऊ, आनंद भवन कन्नौज, गुलमोहर-बांदा, मेला कोठी चंबल सफारी लॉज, जागीर - दुधवा आदि पर विस्तार से चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश की पर्यटन यात्रा को विदेशी टूर ऑपरेटरों और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियों के बीच विस्तार से प्रस्तुत और प्रचारित किया गया।

समाधान दिवस पर 91 शिकायतों का निस्तारण

लखनऊ, चसं। नगर निगम लखनऊ द्वारा प्रत्येक माह के पहले शुक्रवार को आयोजित किया जाने वाला संपूर्ण समाधान दिवस इस शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय, त्रिलोकनाथ सभागार, लालबाग में सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी समस्याएं लेकर भाग लिया और अधिकांश शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।कार्यक्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार की अध्यक्षता में अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज कुमार, डॉ. अरविंद राव, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, चीफ टैक्स असेसमेंट ऑफिसर अशोक सिंह, समस्त जोनल अधिकारी, इंजीनियरिंग शाखा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, पशु कल्याण अधिकारी और सेनेटरी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सभी विभागों ने पूरी तत्परता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया। जलकल विभाग से टैक्स से जुड़ी 4 शिकायतें आईं, जिनका निस्तारण भी मौके पर हुआ। मार्गप्रकाश विभाग को जोन 2 में 1 और जोन 6 में 2 शिकायतें मिलीं, जिन्हें तुरंत ठीक किया गया। इंजीनियरिंग शाखा को जोन 6 और जोन 8 से निर्माण कार्य संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। विभाग द्वारा इन शिकायतों के समाधान हेतु डिमांड दर्ज कर प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा, ÷संपूर्ण समाधान दिवस न केवल शिकायतों के समाधान का मंच है, बल्कि यह नागरिकों और प्रशासन के बीच पारदर्शी संवाद का माध्यम भी है।÷ उन्होंने नागरिकों से भविष्य में भी सक्रिय भागीदारी की अपील की।

पहलगाम की घटना से ध्यान भटका रही बीजेपी : सांसद संजय

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जातिगत जनगणना के मुद्दे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा जनगणना का विरोध किया है, लेकिन अब चुनावी मजबूरी में यू-टर्न ले रही है।

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि पहलगाम की घटना से ध्यान भटकाने और बिहार चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा अब जाति जनगणना की हिमायत कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा था कि जो जातिगत जनगणना की बात करता है, वो पाप करता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अनुराग ठाकुर ने भी इसके खिलाफ बयान दिए थे। संजय सिंह ने जातिगत

जनगणना को लेकर भाजपा से तीन बड़े सवाल पूछे।जनगणना की तारीख तय करें उन्होंने कहा कि कहीं इस मुद्दे का हाल भी महिला आरक्षण जैसा न हो, जिसे कानून बनने के बावजूद लागू करने की कोई समयसीमा नहीं है। बजट क्यों नहीं तय हुआ? सरकार ने अब तक जातिगत जनगणना के लिए कोई बजट नहीं घोषित किया है। आरक्षण पर रोडमैप क्या है? अगर जातिवार आंकड़े आ भी गए तो भाजपा बताए कि इसके बाद वह क्या कदम उठाएगी? क्या आरक्षण बढ़ाया जाएगा? कोर्ट पहले ही तमिलनाडु जैसे राज्यों में 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण पर रोक लगा चुका है। एससी-एसटी-ओबीसी की हिस्सेदारी पर सवाल-संजय सिंह ने केंद्र सरकार की नौकरियों में सामाजिक न्याय के सवाल पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार 322 संयुक्त सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों में से 254 सामान्य वर्ग के हैं, जबकि ओबीसी केवल 39, एससी 13 और एसटी 16 हैं। उच्च न्यायपालिका में आरक्षण नहीं है और वहां भी यही असंतुलन है। 661 हाईकोर्ट जजों में से 550 सामान्य वर्ग के हैं, जबकि ओबीसी केवल 78, एससी और एसटी दोनों से मात्र 21-21 हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने न सिर्फ सरकारी कंपनियां बेचीं, बल्कि अब ओबीसी, एससी और एसटी समुदाय के भविष्य को भी बेच रही है। उन्होंने कहा कि क्लर्क, ड्राइवर, सफाईकर्मी जैसी नौकरियों को भी आउटसोर्सिंग के जरिए खत्म किया जा रहा है।

बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए कमिश्नर रोशन जैकब के निर्देश

लखनऊ, चसं। भिक्षावृत्ति के दंश से बचपन को आजादी दिलाने की दिशा में लखनऊ प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में शुक्रवार को बाल भिक्षावृत्ति, बालश्रम और बेसहारा बच्चों की मदद के लिए बैठक में ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि चौराहों पर बच्चों से कराई जा रही भिक्षावृत्ति पर अब सख्ती से रोक लगाई जाएगी और इस कड़ी में एफआईआर तक दर्ज की जाएंगी। कोई भी बच्चा चौराहों पर कटोरे के साथ न दिखे। हर बच्चे को स्कूल भेजा जाए। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसे बच्चे और उनके परिजन जो भीख मांगते मिले, उन्हें तुरंत रेस्क्यू कर सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। नगर निगम, समाज कल्याण, महिला कल्याण, डूडा, जिला पूर्ति विभाग और एनजीओ को आपसी समन्वय से कार्रवाई करने को कहा गया है। बैठक में बताया गया कि शहर की जो अवैध बस्तियां भिक्षावृत्ति से जुड़ी थीं, उन्हें हटाया जा चुका है। अब स्लम बस्तियों में डूडा और समाज कल्याण विभाग मिलकर कैंप लगाएंगे ताकि पात्र लोगों को आवास, पेंशन, राशन जैसी योजनाओं से जोड़ा जा सके। महिला और पुरुष बेसहारा लोगों के लिए अलग-अलग शॉर्ट स्टे होम चिह्नित किए गए हैं। अपना घर संस्था को महिलाओं-बालिकाओं की देखभाल और उम्मीद व बदलाव संस्था को पुरुषों के पुनर्वास की जिम्मेदारी दी गई है। मंडलायुक्त ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई परिवार योजनाओं का फायदा लेने के बाद भी दोबारा भीख मांगता पाया गया, तो उनका योजना से फायदा बंद किया जाएगा। बैठक के अंत में डॉ. जैकब ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा है कि कोई भी बच्चा भूखा और बेसहारा न रहे। उन्होंने अफसरों से कहा कि सिर्फ बैठक नहीं, जमीनी स्तर पर बदलाव लाना जरूरी है।

भिक्षावृत्ति के खिलाफअभियान : राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को बदलाव संस्था ने भिक्षावृत्ति के खिलाफ अभियान चलाया। चौक स्थित पुरानी फूल मंडी और टेम्पो स्टैंड पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भिक्षावृत्ति के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। संस्थापक शरद पटेल ने बताया कि सार्थक पार्ट-2 के जरिए लोगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भीख न मांगने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।